mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-277 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
08 अक्टूबर 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मैथ्यू रेनशॉ को मिला...
@ पेज 7

एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई फ्लाइट के इंजन से पक्षी टकराया

158 यात्री सवार थे, सभी सुरक्षित

चेन्नई,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई फ्लाइट के इंजन से मंगलवार को एक पक्षी टकराने (बर्ड हिट) से फ्लाइट को नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा के मद्देनजर एयरलाइन ने चेन्नई से कोलंबो जाने वाली वापसी उड़ान को फिलहाल रद्द कर दिया है।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने वाला था, तभी उसके इंजन से पक्षी टकरा गया, जिससे विमान के इंजन से आवाज आने लगी। इसके बाद पायलट ने फ्लाइट को चेन्नई एयरपोर्ट पर उतार लिया।

घटना के समय फ्लाइट में 158 पैसेंजर्स सवार थे। सभी पैसेंजर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से फ्लाइट को ग्राउंड कर दिया गया है।

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील बोले-जो किया, अफसोस नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर कुमार ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा- CJI के भगवान विष्णु पर दिए बयान से मैं आहत हूं। उनके एक्शन (टिप्पणी) पर ये मेरा रिएक्शन था। मैं नशे में नहीं था। जो हुआ, मुझे उसका अफसोस नहीं, किसी का डर भी नहीं है।

उन्होंने कहा- यही चीफ जस्टिस बहुत सारे धर्मों के खिलाफ, दूसरे समुदाय के लोगों के खिलाफ केस आता है तो बड़े-बड़े स्टेप लेते हैं। उदाहरण के लिए- हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर विशेष समुदाय का कब्जा है, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तीन साल पहले स्टे लगाया, जो आज तक लगा हुआ है।

वहीं, इस घटना पर SC बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा- भगवान विष्णु की मूर्ति केस में CJI की टिप्पणी को गलत तरीके से दिखाया गया, जिससे ऐसा लगा जैसे CJI ने देवता का अपमान किया। वकील ने मशहूर होने के लिए ऐसा किया।

म.प्र. में जहरीले कफ सिरप से 17वीं मौत

सुप्रीम कोर्ट में याचिका- न्यायिक जांच कराएं

ड्रग रिकॉल पॉलिसी बनाए केंद्र सरकार

छिंदवाड़ा, एजेंसी। जहरीला कफ सिरप पीने से सोमवार रात को एक और बच्चे की मौत हो गई। छिंदवाड़ा निवासी नवीन डेहरिया की डेढ़ साल की बेटी धानी डेहरिया ने नागपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तामिया ब्लॉक के जूनापानी गांव में रहने वाले नवीन डेहरिया का कहना है कि धानी को भी कोल्ड्रिफ सिरप दिया गया था।उसे 26 सितंबर को नागपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराने से पहले परासिया में उसका इलाज डॉ. प्रवीण सोनी ने ही किया था। इस मौत के साथ ही छिंदवाड़ा जिले में मृत बच्चों का आंकड़ा अब 15 पर पहुंच गया है जबकि कुल संख्या 17 हो गई है। उधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या

सीबीआई के जरिए गठित एक्सपर्ट कमेटी से कराने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार को ड्रग रिकॉल पॉलिसी और टॉक्सिकोलॉजिकल सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश भी दिए जाएं। साथ ही अलग-अलग राज्यों में ऐसे मामलों में दर्ज सभी एफआईआर एक जगह ट्रांसफर करके पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई से जांच कराई जाए।

DEG और EG की बिक्री-निगरानी के नियम बनें : याचिका लगाने वाले वकील विशाल तिवारी ने कहा है कि आरोपी कंपनी द्वारा बनाई गई सभी दवाओं की बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन पर तुरंत रोक लगाई जाए। केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) को देशभर में ऐसी दवाओं में डाय एथिलिन ग्लायकॉल (DEG) और एथिलिन ग्लायकॉल (EG) की जांच कराने का आदेश दिया जाए।

पंजाब में खांसी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कोल्ड्रिफ कफ सिरप बैन

मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद पंजाब सरकार का बड़ा फैसला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने राज्य में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री और इसके उपयोग पर रोक लगा दी है। सरकार ने यह फैसला मध्य प्रदेश में इस सिरप के इस्तेमाल से 17 बच्चों की मौत होने के बाद लिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग निदेशालय की तरफ से सोमवार की शाम आदेश जारी किए गए, जिसे मंगलवार को राज्य के सभी जिला अधिकारियों को भेज दिया गया। सरकार के आदेशों में कहा गया है कि पंजाब के सभी खुदरा विक्रेता, वितरक, पंजीकृत चिकित्सक, अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा संस्थान आदि इस प्रोडक्ट की खरीद, बिक्री या इसका उपयोग नहीं करेंगे। तमिलनाडु में बने इस सिरप को डायथिलीन ग्लाइकॉल की मिलावट के चलते बैन किया गया है।आदेशों में कहा गया है कि मध्य प्रदेश की खाद्य एवं औषधि प्रशासन की औषधि परीक्षण प्रयोगशाला ने 4 अक्टूबर को एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार कोल्ड्रिफ सिरप नाम की दवा अच्छी गुणवत्ता वाली नहीं पाई गई है।कोल्ड्रिफ सिरप कांचीपुरम (तमिलनाडु) में तैयार हुआ है। यह मई, 2025 में बना और अप्रैल, 2027 में खत्म होगा। इस सिरप में डायथिलीन ग्लाइकॉल (46.28 प्रतिशत 2/1) की मिलावट पाई गई है, जो जहर के समान हानिकारक रसायन है और इससे सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है। पंजाब के सभी मेडिकल स्टोर, डिस्ट्रीब्यूटर, डॉक्टर और अस्पताल इस दवा को न बेचें, न खरीदें और न ही इस्तेमाल करें। अगर राज्य में कहीं यह सिरप मौजूद है, तो उसकी जानकारी तुरंत पंजाब के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (दवा शाखा) को ई-मेल के माध्यम से दें।

नरेन्द्र मोदी ने शासन प्रमुख के 25वें वर्ष में प्रवेश पर देशवासियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश की जनता के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है, क्योंकि वे शासन प्रमुख के रूप में अपनी 25वीं वर्षगांठ में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा को याद करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर, 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब से उनका एकमात्र उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना रहा है। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और आधिकारिक विज्ञप्ति में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने की जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई थी जब गुजरात कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। उसी वर्ष राज्य को विनाशकारी भूकंप का सामना करना पड़ा था, इससे पहले एक सुपर साइक्लोन, लगातार सूखे और राजनीतिक अस्थिरता ने लोगों की उम्मीदों को कमजोर कर दिया था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उनके भीतर जनता की सेवा करने और गुजरात को नई ऊर्जा और आशा के साथ पुनर्निर्मित करने की दृढ़ता को और मजबूत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपनी मां के शब्दों को याद करते हुए कहा, जब मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब मेरी माता ने कहा था – मुझे तुम्हारे काम की ज्यादा समझ नहीं है, पर दो बातें याद रखना – हमेशा गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत नहीं लेना। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने जनता से भी वादा किया था कि उनके हर निर्णय का उद्देश्य सदैव ईमानदार नीयत और समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा होगा। मोदी ने कहा कि जब उन्होंने गुजरात की बागडोर संभाली, तब आम जनता, खासकर किसान, बिजली और पानी की भारी कमी की शिकायत करते थे। कृषि संकट में थी, उद्योग ठप थे और लोगों का भरोसा टूट चुका था।

संदेह कितना भी प्रबल हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता, बच्चे की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संदेह चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता। न्यायालय ने 2007 में 10 वर्षीय एक लड़के की हत्या के आरोप से तीन लोगों को बरी कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष के मामले में काफी कमियां सामने आई हैं। रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य किसी भी तरह से आरोपियों के अपराध की ओर इशारा करने वाली परिस्थितियों की शृंखला को पूरा नहीं कर सकते। पीठ ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के नवंबर 2017 के फैसले को चुनौती देने वाली तीन आरोपियों की अपील स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी थी। पीठ ने कहा, वैज्ञानिक परीक्षणों की अनदेखी करते हुए संदिग्ध गवाही के आधार पर दोषी ठहराना सबूत की जगह संदेह को स्थापित करना है। पीठ ने कहा, जैसा कि सर्वविदित है, संदेह, चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता। इस तरह अपीलकर्ता संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। यह देखते हुए कि मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है, पीठ ने कहा कि पहली और सबसे स्पष्ट परिस्थिति प्राथमिकी में दोनों अपीलकर्ताओं के नामों का छूट जाना था। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने इस चूक को स्वीकार किया, लेकिन इसे महत्वहीन बताकर खारिज कर दिया। यह दृष्टिकोण अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा, सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित मामले में, प्रत्येक परिस्थिति की कठोर जांच होनी चाहिए।

मनरेगा के नियमों से छेड़छाड़ कर रही केंद्र सरकार कांग्रेस सांसद का आरोप- यह तानाशाही

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने केंद्र सरकार पर मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून) कानून के नियमों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मनरेगा के 60 फीसदी फंड का जल संबंधी योजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा योजना को तबाह कर दिया है।

यह दिल्ली की तानाशाही : एक अखबार के लेख को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मणिकम टैगोर ने लिखा कि मोदी सरकार ने चुपचाप मनरेगा के नियमों में फेरबदल कर दिया है। मनरेगा का 60 प्रतिशत फंड जल संबंधी परियोजनाओं में इस्तेमाल किया जा रहा है। मनरेगा योजना गरीब ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी देने और गांवों के विकास जैसे सड़क, घर, तालाब और स्कूलों आदि के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। लेकिन अब केंद्र सरकार तय कर रही है कि इसका फंड कहां खर्च होगा। यह विकेंद्रीकरण नहीं बल्कि दिल्ली की तानाशाही है।

मनरेगा योजना को तबाह कर दिया गया

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि मनरेगा का फंड किसी अन्य योजना पर खर्च करने से ग्राम सभा की शक्ति छिन जाती है। अब ग्रामीण और ग्राम सभा तय नहीं करते कि फंड कहां इस्तेमाल होगा बल्कि मोदी सरकार तय करती है। मनरेगा की पूरी भावना है, नीचे से ऊपर की ओर विकास, लेकिन इसे तबाह कर दिया गया है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इससे भी बुरी बात ये है कि जिन योजनाओं के लिए फंड इस्तेमाल किया जा रहा है, वह पानी बचाने के बारे में नहीं है बल्कि सरकार की साख बचाने के बारे में है। सरकार वर्षों से भूजल संकट को नजरअंदाज कर रही है और ये सिर्फ साल 2029 में बड़े आंकड़ें दिखाना चाहते हैं।

अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में टाइप-7 बंगला अलॉट,नया पता-95 लोधी एस्टेट

सीएम आवास छोड़ने के बाद पार्टी सांसद के घर रहते थे

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में नया बंगला अलॉट हुआ है। इसका पता 95 लोधी एस्टेट है, ये टाइप 7 बंगला है। हालांकि आप ने केजरीवाल के लिए टाइप-8 बंगले की डिमांड की थी। पिछले साल 17 सितंबर को केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। 4 अक्टूबर को परिवार समेत 6, फ्लैग स्टाफ मार्ग स्थित सीएम हाउस (बंगला) खाली करके लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हुए थे। ये बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को अलॉट है। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए सरकारी आवास का कोई प्रावधान नहीं है। इसी वजह से उन्होंने अपनी नेता के लिए वैकल्पिक आवास के लिए कोर्ट का रुख किया था। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) से संपदा निदेशालय को केजरीवाल के लिए आधिकारिक आवास अलॉट करने की मांग की थी।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में सीजन की पहली बर्फबारी, हेमकुंड साहिब में 2-3 इंच स्नोफॉल

राजस्थान में तापमान 12डिग्री तक गिरा, पंजाब-हरियाणा में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों के ऊंचे इलाकों में पिछले 24 घंटों से बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहब में मंगलवार को पहली बर्फबारी हुई। हेमकुंड साहिब में 2 और 3 इंच तक स्नोफॉल हुआ।

केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने 7 अक्टूबर को भारी बारिश-बर्फबारी का रेड अलर्ट जारी किया है। इस वक्त चारधाम यात्रा का दूसरा दौर चल रहा है। रोज 5 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा और किन्नौर में भी बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ी राज्यों में अगले 2 दिन बारिश और बर्फबारी जारी रहने की संभावना है।

इधर, पंजाब-हरियाणा के लिए तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में अगले 36 घंटों तक लगातार बारिश हो सकती है। पंजाब के आठ जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, जालंधर, लुधियाना और फिरोजपुर में बारिश होगी।

हरियाणा के अंबाला, पंचकुला, कैथल, करनाल और हिसार समेत कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि 8 अक्टूबर के आसपास मौसम साफ हो जाएगा।

कैबिनेट : रेलवे की 894 किमी लंबी चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से होकर गुजरने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेल नेटवर्क में 894 किलोमीटर का इजाफा होगा। परियोजना पर 24,634 करोड़ रुपये (लगभग) की लागत आयेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी। ये परियोजनाएँ हैं - वर्धा - भुसावल - तीसरी और चौथी लाइन - 314 किलोमीटर (महाराष्ट्र)। गोंदिया - डोंगरगढ़ - चौथी लाइन - 84 किलोमीटर (महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़)। वडोदरा - रतलाम - तीसरी और

चौथी लाइन - 259 किलोमीटर (गुजरात और मध्य प्रदेश)। इटारसी - भोपाल - बीना चौथी लाइन - 237 किलोमीटर (मध्य प्रदेश)।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कैबिनेट के फैसले के बारे में राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 85.84 लाख की आबादी के लगभग 3,633 गाँवों और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुसार बनाई गई हैं। इनका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

परियोजना खंड सांची, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, भीमबेटका की शैलाश्रय, हजारा जलप्रपात, नवेगाँव राष्ट्रीय उद्यान आदि जैसे प्रमुख स्थलों के लिए रेल संपर्क भी प्रदान करेगी। इससे देशभर से पर्यटक यहां आकर्षित होकर आयेंगे।

वैष्णव ने कहा कि यह कोयला, कंटेनर, सीमेंट, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न, इस्पात आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 78 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा।

हमले में घायल भाजपा सांसद खगेन मुर्मू के चेहरे की होगी सर्जरी, मामले में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के नागरकट्टा इलाके में राहत कार्यों का दौरा कर रहे भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलिगुड़ी विधायक शंकर घोष पर बीते मंगलवार को कुछ लोगों ने हमला किया था। इस हमले में भाजपा सांसद को गंभीर चोट लगी है, उनकी स्थिति गंभीर है और उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें आंख के नीचे हड्डी टूटने की भी जानकारी है। जिस अस्पताल में खगेन मुर्मू का इलाज किया जा रहा है, वहां के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद का आईसीयू में इलाज किया जा रहा हैं और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है।

खगेन मुर्मू के चेहरे की होगी सर्जरी –अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद खगेन मुर्मू को चोटों के इलाज के लिए सर्जिकल इंटरवेंशन की आवश्यकता पड़ सकती है। डॉक्टर उनकी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। वहीं, विधायक शंकर घोष का स्वास्थ्य भी स्थिर है और उनका भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बाढ़ प्रबंधन के तहत बंगाल को 1290 करोड़ से अधिक जारी किए गए, ममता के आरोप पर केंद्र का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाढ़ प्रबंधन और नदी सफाई को लेकर लगाए गए भेदभाव के आरोपों को खारिज कर दिया। सरकार ने कहा कि भारत पहले से ही भूटान के साथ सीमापार नदी संबंधी मुद्दों पर निकटता से काम कर रहा है और राज्य को बाढ़ प्रबंधन योजनाओं के तहत 1,290 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए जा चुके हैं।

सीएम ममता बनर्जी ने क्या लगाए थे आरोप? उत्तर बंगाल में सोमवार को हुई भारी बारिश ने कई इलाकों में तबाही मचाई, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र उनकी मांग पर इंडो-भूटान नदी आयोग नहीं बना रहा है और अगर ऐसा नहीं हुआ तो उत्तर बंगाल बार-बार बाढ़ की त्रासदी सहता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र बाढ़ प्रबंधन के लिए कोई फंड नहीं देता और गंगा सफाई योजना को भी रोक दिया गया है।

ममता के आरोप पर केंद्र का जवाब– केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में स्पष्ट किया कि भारत और भूटान के बीच पहले से ही संयुक्त विशेषज्ञ समूह (जेजीई), संयुक्त तकनीकी टीम (जेटीटी) और संयुक्त विशेषज्ञ टीम (जेईटी) जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं हैं। ये टीमें उत्तर बंगाल में नदी कटाव, तलछट जमा होने और अचानक बाढ़ जैसे मुद्दों को लेकर काम करती हैं।

भीम जोरा का एनकाउंटर

डॉक्टर का कत्ल...भाजपा नेता के घर चोरी के मामले में वांछित, नेपाल से कनेक्शन; अब ढेर

गुरुग्राम/दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम की सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि भीम महाबहादुर जोरा साउथ दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। क्राइम ब्रांच प्रभारी नरेंद्र अपनी टीम के साथ दिल्ली पुलिस की टीम को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंचे तो वहां पर भीम जोरा अपने एक अन्य साथी के साथ सीमेन्ट के बेंच पर बैठा था। पुलिस पार्टी को देखकर अपने पकड़े जाने के डर से भीम जोरा ने जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी।

दिल्ली और गुरुग्राम पुलिस का था संयुक्त अभियान: दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक बदमाश भीम जोरा को मुठभेड़ में मार गिराया। नेपाल निवासी भीम जोरा कई मामलों में वांछित था, जिसमें हाल ही में गुरुग्राम में एक भाजपा नेता के घर हुई चोरी की घटना भी शामिल है। इस मामले में उस पर 50,000 रुपये का इनाम था। जंगपुरा में डॉ. योगेश चंद्र पाल की गलाघोटकर हत्या के मामले में फरार आरोपी भीम बहादुर जोरा को दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान देर कर दिया। दिल्ली पुलिस की दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस और गुरुग्राम पुलिस को संयुक्त टीम की ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में देर रात आरोपी के साथ मुठभेड़ हुई। बता दें कि भीम बहादुर जोरा पर गुजरात, कनार्टक और दिल्ली में कई आपराधिक मामले दर्ज थे। आरोपी ने हाल ही में गुरुग्राम के भाजपा नेता के घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी मूलरूप से नेपाल का रहने वाला था।

पुलिस ने सरेंडर करने को कहा, फिर भी करता रहा फायरिंग: भीम जोरा के द्वारा फायर की गई एक गोली इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। बुलेट प्रूफ जैकिट पहने होने के कारण इन्स्पेक्टर नरेंद्र शर्मा बच गए। उन्होंने आरोपियों को सरेंडर करने की चेतावनी देते हुए एक हवाई फायर किया, लेकिन भीम जोरा क्राइम ब्रांच की तरफ लगातार फायर करता रहा। पुलिस पार्टी की जवाबी फायरिंग में आरोपी भीम जोरा को गोली लग गई और वो घायल हो गया। जिसे तुरंत घायल अवस्था में एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने भीम जोरा को मृत घोषित कर दिया।

भीम जोरा का साथी मौके से फरार: इस मुठभेड़ में भीम जोरा का साथी मौके से फरार हो गया। इंस्पेक्टर नरेंद्र ने बताया कि मृत आरोपी का नाम भीम जोरा पुत्र महाबहादुर जोरा था, जो मूल रूप से नेपाल का रहने वाला था। वह भारत में डकैती और हत्या के साथ-साथ चोरी की बहुत सी वारदातों को अंजाम दे चुका था। दो अक्तूबर को आरोपी बदमाश ने गुरुग्राम के सेक्टर-49 की पॉश सोसायटी ओर्किड पेटल के विला नंबर 3 में महरौली भाजपा जिला उपाध्यक्ष ममता भारद्वाज के घर में अपने एक साथी युवराज थापा के साथ मिलकर 20 लाख की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने चोरी के सामान को आधा-आधा बांट लिया था। इसमें अपराध शाखा सेक्टर 43 की पुलिस ने युवराज थापा को गिरफ्तार कर लिया था।

दिल्ली में एक लाख और गुरुग्राम में 50 हजार का था इनाम: भीम जोरा दिल्ली में एक चोरी की वारदात के दौरान डॉक्टर की हत्या करने में वांछित था, दिल्ली पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये इनाम घोषित किया हुआ था। वहीं, गुरुग्राम के सिविल लाइंस क्षेत्र में भी चोरी के एक मामले में वांछित चल रहा था। 2 अक्तूबर को सेक्टर-49 हुई वारदात के बाद से ही गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच सेक्टर 43 की टीम आरोपी भीम जोरा की तलाश मे लगी थी।

ठंड की आहट... देर रात दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में हुई झमाझम बारिश, तापमान में आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रविवार देर रात से शुरू हुआ बारिश का दौर सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार को दिन में रुक रुककर हुई बारिश के बाद देर रात को भी कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिली है। इससे तपमान में गिरवाट आई है। इसके कारण सोमवार 2011 के बाद से और इस महीने का सबसे ठंडा दिन रहा, जहां वर्ष 2011 में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

वहीं, सोमवार को राजधानी में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.7 डिग्री कम के साथ 26. 5 और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में लोगों को ठंडक का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का यह दूर पश्चिमी विक्षोभ के चलते हो रहा है। एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान और समीपवर्ती पाकिस्तान के ऊपर समुद्र तल से 3.1 और 5.8 किमी ऊपर बना हुआ है, जिसकी ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त बना हुआ है। साथ ही, चक्रवाती परिसंचरण मध्य पाकिस्तान और समीपवर्ती पश्चिम राजस्थान के ऊपर समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर तक बना हुआ है।

सोमवार को सुबह से ही बादलों ने आसमान को घेरा हुआ था। इस दौरान तेज ठंडी हवाएं चल रही थीं। बीच-बीच में दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इससे जगह-जगह जाम लगा तो, जलभराव ने भी परेशान किया। हालांकि, वर्षा ने उमस भरी गर्मी से राहत तो दिलाई, लेकिन जनजीवन प्रभावित होने से आफत बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में बीते 24 घंटे में 10.3 और सोमवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक 3.4 एमएम बारिश दर्ज की गई। ऐसे में पालम में 3.2 लोधी रोड में 3.7,आया नगर में 3.6 व रिज और पूसा में एक मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने बारिश का येलो अलर्ट जारी किया हुआ है। ऐसे में उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली में झमाझम बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का 100 से 78 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

अधिकांश स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना हैं। साथ ही, 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलेंगी जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। वहीं, मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस माह में अब तक तीन दिन बारिश हुई है।

धरती के भगवान ने दिया जीवनदान

इराकी मासूम की बेकाबू धड़कनों को डॉक्टरों ने किया काब

नई दिल्ली, एजेंसी। हृदय की असामान्य धड़कन से जूझ रहे इराक के एक बच्चे को दिल्ली के निजी अस्पताल में जीवनदान मिला है। सात वर्षीय बच्चे का हृदय 170-200 प्रति मिनट की गति से धड़क रहा था जबकि सामान्य गति 75-118 धड़कन प्रति मिनट होती है।

जन्म से इस बीमारी से जूझ रहे बच्चे को कम उम्र और वजन के करण अपने देश में सही उपचार नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में परिजनों ने भारत का रुख किया। ओखला स्थित एक नामी निजी अस्पताल में बच्चे की जांच हुई। अस्पताल के कार्डियक पेसिंग एंड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अपर्णा जसवाल ने बताया कि जांच में बच्चे को इंससेंट टैकीकार्डिया होने के बारे में पता चला। इसमें हृदय असामान्य रूप से लगातार धड़कता रहता है।

इसकी वजह से हृदय की मांसपेशियां कमजोर और हृदय गति रुकने की आशंका बढ़ जाती है। बच्चे की असामान्य हृदय गति का पता लगाने और उसका उपचार करने के लिए इलेक्ट्रिक सिस्टम से मूल्यांकन किया गया। डॉक्टरों ने दो घंटे तक इलाज कर इस बच्चे के असामान्य इलेक्ट्रिकल मार्ग का सावधानीपूर्वक उपचार किया ताकि उसके हृदय को सामान्य गति में लाया जा सके। हृदय की असामान्य गति को अरथेमिया नाम से जाना जाता है।

दुनियाभर में करीब एक हजार में से एक बच्चा इससे प्रभावित है। इस मेडिकल प्रक्रिया के बाद बच्चे ने सही रिकवरी की है। कई साल तक तकलीफ में रहने के बाद सामान्य गतिविधियां फिर शुरू कर दी है।

अरथेमिया के चार प्रकार हैं: एट्रियल फिब्रिलेशन जब दिल की ऊपरी दो कोठरियां असमान रूप से और बहुत तेजी से धड़कती हैं।

वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें दिल की निचली कोठरियां अनियंत्रित रूप से कांपती हैं और रक्त प्रवाह रुक सकता है।

सनसनीखेज वारदात : गर्भपात के बाद पति से गर्भवती बोल एंठती रही पैसे

यकीन दिलाने के लिए चुराई एक माह की बच्ची

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में रह रहे अपने पति को गर्भवती होने का यकीन दिलाने के लिए एक महिला ने एक माह की बच्ची को चुरा लिया। दरअसल आरोपी महिला अपना गर्भपात करवा चुकी थी। बच्ची के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए आरोपी महिला को पकड़ा और उसके कब्जे से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी महिला की पहचान दक्षिण दिनाजपुर पश्चिम बंगाल निवासी 28 साल की शानू सरकार उर्फ जैस्मीन के रूप में हुई है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि तीन अक्तूबर को भिंड मध्य प्रदेश निवासी एक शख्स ने नांगलोई थाने में अपनी एक माह की बच्ची के चोरी होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को उनकी पत्नी ने संजय गांधी अस्पताल मंगोलपुरी में एक बच्ची को जन्म दिया। अस्पताल में रहने के दौरान एक अज्ञात महिला ने उनकी पत्नी से मेल जोल बढ़ाया। कुछ दिन बाद आरोपी महिला ने उनकी पत्नी को फोन किया और बच्चों की देखभाल में मदद करने की पेशकश की।

आरोपी महिला कपड़ा खरीदने के बहाने बच्ची और उसकी मां को नांगलोई मेट्रो स्टेशन ले गई। इसी दौरान बच्ची की मां को उल्टी होने लगी। इसका फायदा उठाकर महिला बच्ची को लेकर गायब हो गई। शिकायत पर नांगलोई थाना पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी पवन तोमर ने बताया कि 5 अक्तूबर को प्रेम नगर से गिरफ्तार कर लिया।

शानू ने बताया कि 11 साल पहले उसकी पश्चिम विहार निवासी विजय कुमार से शादी हुई थी। उसकी एक 10 साल की बेटी है। बाद में दोनों काम की तलाश में दिल्ली आ गए। इस दौरान शानू फरक्का पश्चिम बंगाल निवासी नजरुल शेख के संपर्क में आई। फरवरी 2025 में उसने पति और बेटी को छोड़कर नजरुल से शादी कर ली।

डिजिटल एजुकेशन की ओर कदम, एमसीडी स्कूलों में पीएम ई-विद्या ऐप अभियान से जुड़ेंगे छात्र और अभिभावक

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी की शिक्षा समिति ने अपने सभी स्कूलों में प्रधानमंत्री ई-विद्या एप के प्रति छात्रों और अभिभावकों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित करने का निर्णय लिया है। समिति अध्यक्ष योगेश वर्मा ने इस संबंध में आयुक्त को पत्र लिखकर निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। योगेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'पीएम ई-विद्या एप' डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई को घर-घर तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। यह एप कक्षा और विषय के अनुसार वीडियो लेसन, अभ्यास प्रश्न और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराता है, जिससे छात्रों की निजी ट्यूशन पर निर्भरता घटेगी।

ई-विद्या ऐप से होगा डिजिटल शिक्षा मजबूत: वर्मा ने बताया कि सभी एमसीडी स्कूलों में जल्द विशेष कार्यशालाएं होंगी, जिनका उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों को एप से जोड़ना और इसके उपयोग की जानकारी देना है। शिक्षकों को जिम्मेदारी दी जाएगी कि वे अभिभावकों को एप डाउनलोड करने और इंस्टॉल कराने में मदद करें।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों में लगे स्मार्ट बोर्ड या प्रोजेक्टर के माध्यम से एप का लाइव डेमो दिखाया जाए, ताकि अभिभावक इसकी सुविधाओं को बेहतर समझ सकें। साथ ही शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कमजोर छात्र घर पर इस एप के जरिये अतिरिक्त अभ्यास करें। वर्मा ने प्रस्ताव रखा कि आगामी 15 दिनों के भीतर हर अभिभावक से संपर्क कर उनके मोबाइल पर पीएम ई-विद्या एप डाउनलोड और सक्रिय कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल एमसीडी स्कूलों के डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम होगी और इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ छात्रों की निजी ट्यूशन पर निर्भरता भी घटेगी।

डीटीयू में होगी पॉलिसी लैब की स्थापना: साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को आगे बढ़ाने के विषय पर उच्च-स्तरीय पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर प्रतीक शर्मा की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने विश्वविद्यालय में पॉलिसी लैब स्थापित करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य शासन और अकादमिक जगत के बीच सेतु बनाते हुए नीति-केंद्रित शोध को बढ़ावा देना होगा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि ठोस अनुसंधान और तथ्यों पर आधारित नीतियां ही दीर्घकालिक सामाजिक विकास का आधार बन सकती हैं। कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के पूर्व निदेशक प्रोफेसर प्रेम व्रत, संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डीपी अग्रवाल और यूरोपीय संघ के पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी अदालत में तलब

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस्लामाबाद की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी से जुड़े तोशाखाना मामले में दोनों को अंतिम बयान दर्ज कराने के लिए बुधवार को अदालत में तलब किया है। विशेष न्यायाधीश सेंट्रल शाहरुख अर्जुमंद ने सोमवार को इस आशय का आदेश दिया। आदेश में दंपति को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 342 के तहत बयान दर्ज कराने के लिए बुधवार को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले अभियोजन पक्ष ने तोशाखाना मामले में अपनी गवाही पूरी कर ली। यह मामला सऊदी शाही परिवार द्वारा उपहार में दिए गए एक महंगे बुलगारी आभूषण सेट से जुड़ा है जिसमें एक हार, झुमके, कंगन और अंगूठियां शामिल हैं। यह मामला दंपति द्वारा उन आभूषणों को कथित तौर पर अपने पास रखने से संबंधित है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक ने लगभग 8 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण सेट को केवल 29 लाख रुपये का भुगतान करके अपने पास रख लिया। अदालती कार्यवाही के दौरान अभियोजन पक्ष ने 21 गवाहों को पेश किया, जिनमें खान के पूर्व सैन्य सचिव भी शामिल थे।

हमास और इजराइल ने वार्ता के पहले दौर में सकारात्मक रुख अपनाया

शर्म अल-शेख (मिस्र), एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर यहां सकारात्मक माहौल में आज सुबह समाप्त हो गया। सोमवार शाम से शुरू इस वार्ता के कई दिन तक जारी रहने के आसार हैं। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना पर केंद्रित है। द अरब न्यूज के अनुसार, मिस्र के सरकारी मीडिया अल-कहेरा न्यूज ने मंगलवार सुबह बताया कि हमास और मध्यस्थों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर सकारात्मक माहौल के बीच मिस्र में समाप्त हो गया है। वार्ता आज भी जारी रहेगी। बंद दरवाजों के पीछे और कड़ी सुरक्षा के बीच यह बातचीत इजराइल के कतर पर हमला करके हमास के प्रमुख वार्ताकारों को मारने की कोशिश के कुछ हफ्ते बाद शुरू हुई है।

अल-क़हेरा न्यूज के अनुसार दोनों प्रतिनिधिमंडल के बीच चर्चा बंदियों और कैदियों की रिहाई के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श के साथ शुरू हुई। इसमें कहा गया है कि मिस्र और कतर के मध्यस्थ इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए एक व्यवस्था स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के साथ काम कर रहे हैं। उधर, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि उन्हें पूरी तरह यकीन है कि शांति समझौता संभव है। हमास के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हय्या ने वार्ता से पहले मिस्र के खुफिया अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बताया गया है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और उसके बाद हुए युद्ध की दूसरी बरसी की पूर्व संध्या पर शुरू हुई वार्ता का यह दौर कई दिनों तक चल सकता है। मिस्र के अखबार अल-अहरम की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर ने वार्ताकारों से गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया है। उधर, ट्रंप की इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण की परिकल्पना की गई है। इसे समूह के स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजराइल ने बार-बार वार्ता को बाधित किया है। इस बार यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 सूत्रीय रूपरेखा पर आधारित है। हमास ने कहा है कि उसकी मांगों में गाजा से पूरी तरह से इजराइली सेना की वापसी, स्थायी युद्धविराम और इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले जीवित और मृत, बचे हुए बंदियों की अदला-बदली शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइली बमबारी में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 1,70,000 घायल हुए हैं। इस युद्ध ने गाजा की 24 लाख की 90 प्रतिशत आबादी को कई बार विस्थापित किया है। इजराइल के प्रतिनिधिमंडल में खुफिया अधिकारी और सलाहकार शामिल हैं। मुख्य वार्ताकार रॉन डर्मर के वार्ता की प्रगति के आधार पर इस सप्ताह के अंत में शामिल होने की उम्मीद है। हमास प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व निर्वासित गाज़ा नेता खलील अल-हय्या कर रहे हैं।

द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को व्हाइट हाउस में मुक्त बंधक एडन अलेक्जेंडर की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, दो साल पहले दक्षिणी इजराइल पर हमास के नेतृत्व वाले आक्रमण के दौरान गाजा में अपहरण कर लिए गए एडन अमेरिकी-इजराइली एकमात्र सैनिक हैं।

घर के अंदर मंडरा रहा अदृश्य खतरा, लोगों को कर रहा बीमार; 3 विश्वविद्यलयों के संयुक्त अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दियों के मौसम में बाहर के साथ ही घर के भीतर की हवा भी बेहद खतरनाक है। इसका खुलासा दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया और साउथ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी के संयुक्त अध्ययन में हुआ है। अध्ययन में पता चला कि घरों में फफूंद के बीजाणु विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सुरक्षित सीमा से 12 गुना और बैक्टीरिया का स्तर 10 गुना अधिक है। यह स्थिति निवासियों में सांस संबंधी समस्याओं, त्वचा की एलर्जी और मानसिक चिंता को बढ़ा रही है। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ 2025' में प्रकाशित इस अध्ययन में उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार और आजादपुर की झुग्गी बस्तियों के 336 घरों से एक साल तक हवा के नमूने लिए गए। अध्ययन में पाया गया कि फफूंद के कण 2.5 माइक्रोन से छोटे हैं, जो फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। सितंबर-नवंबर के बीच फफूंद का स्तर 6,050 सीएफयू प्रति घन मीटर तक पहुंचा, जबकि डब्ल्यूएचओ की सुरक्षित सीमा 500 सीएफयू है। बैक्टीरिया का स्तर अगस्त में चरम पर था।

स्वास्थ्य प्रभावों पर अध्ययन के निष्कर्ष चौंकाने वाले हैं। 33 फीसदी निवासियों ने सिरदर्द, 23 फीसदी ने आंखों में जलन, 22 फीसदी ने खांसी और सांस की तकलीफ, और 18 फीसदी ने एलर्जिक राइनाइटिस की शिकायत की। बच्चे और युवा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जिसमें 28त्न बच्चे (12 वर्ष से कम) और 25 फीसदी युवा (18-30 वर्ष) सांस की समस्याओं से पीड़ित हैं।

महिलाओं में त्वचा और आंखों की शिकायतें 60फीसदी तक रहीं: महिलाओं में त्वचा और आंखों की शिकायतें 60 फीसदी तक रहीं, संभवतः घर में अधिक समय बिताने के कारण। शोधकर्ताओं ने खराब वेंटिलेशन, उच्च आर्द्रता, और बाहरी धुंध को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। मौसमी बदलावों में पतझड़ और सर्दियों में फफूंद का स्तर बढ़ता है। जबकि गर्मियों में बैक्टीरिया की मात्रा अधिक थी। अध्ययन में चेतावनी दी गई कि एस्परगिलस और पेनिसिलियम जैसे फफूंद माइकोटॉक्सिन उत्पन्न करते हैं, जो सिरदर्द, थकान और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

अमेरिका में शटडाउन से संकट बढ़ा, राष्ट्रपति ट्रंप स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स से वार्ता को तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर हवाई सेवा पर भी पड़ा है। स्टाफ की कमी के कारण बरबैंक हवाई अड्डा बिना यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। सीनेट के वित्त पोषण विधेयक को फिर से खारिज करने के कारण संकट गहरा गया है। सरकारी शटडाउन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। अमेरिकी सरकार को फंड देने और शटडाउन को समाप्त करने के दो परस्पर विरोधी उपाय सोमवार को सीनेट में पांचवीं बार विफल रहे। इस गतिरोध के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के रुख में नरमी आई है। वह डेमोक्रेट्स से बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी शटडाउन को समाप्त करने पर गतिरोध एक और हफ्ते तक खिंचता दिख रहा है। दोनों दल फंडिंग में कमी के लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। सीनेट के रिपब्लिकन सदन में की जा रही कोशिश अब तक कामयाब नहीं हो सकी है। डेमोक्रेटिक नेता अपनी इस मांग पर अड़े हैं कि फंडिंग उपाय में स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट का विस्तार शामिल हो। स्पीकर माइक जॉनसन मौजूदा स्थिति से हताश हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने रविवार को तर्क दिया कि शटडाउन का समाधान केवल कांग्रेस नेताओं और राष्ट्रपति के बीच बैठक से ही संभव होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शटडाउन के समाधान की दिशा में प्रगति हो रही है। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने किसी भी समझौते के तहत स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट को बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपब्लिकंस का कहना है कि स्वास्थ्य सेवा पर चर्चा शटडाउन खत्म होने के बाद ही होनी चाहिए। इस बीच स्टाफ की कमी के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डा बिना हवाई यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस स्थिति के लिए सरकारी शटडाउन को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक सलाह में कहा कि हवाई अड्डे पर शाम 4:15 बजे से रात 10 बजे तक कोई हवाई यातायात नियंत्रक नहीं होने की संभावना है। न्यूसम ने एक्स पर एक पोस्ट में सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप पर निशाना साधते हुए लिखा, आपकी सरकार के बंद होने के कारण आज शाम 4:15 बजे से रात 10 बजे तक बरबैंक हवाई अड्डे पर कोई भी हवाई यातायात नियंत्रक नहीं है। परिवहन सचिव सीन डफी ने शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मझौली जनपद में वयोश्री एवं एडीपी योजना अंतर्गत एलिम्को द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत मझौली के सभागार में वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा तथा विधायक धौहनी श्री कुँवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने शिविर में पहुँचे लाभार्थियों से संवाद कर शासन की योजनाओं की जानकारी दी एवं अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सांसद ने कहा कि

शिविरों का व्यापक प्रचार प्रसार करें जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति हितलाभ से वंचित नहीं रहे।

शिविर में कुल 111 पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 50 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिसमें वयोश्री योजना अंतर्गत 30 वृद्धजन एवं एडिप योजना अंतर्गत 20 दिव्यांगजन शामिल रहे। शिविर का संचालन एसीईओ एवं सीईओ जनपद पंचायत मझौली श्री धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस दौरान श्री नारायण बैगा, समग्र विस्तार अधिकारी, डॉ. दीपक त्रिपाठी, वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) सीधी, ट्रांसडिसिप्लिनरी स्पेशल टीचर शिवांसु शुक्ला एवं ए.ओ. सुश्री नम्रता मिश्रा द्वारा चिन्हांकन कार्य में सहयोग प्रदान किया गया। यह शिविर शासन की वयोश्री एवं एडीपी योजनाओं के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को स्वावलंबन, सम्मान एवं सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

सूकर पालन से बदली तकदीर - ग्राम बढौना के स्वामी चरण सिंह बने आत्मनिर्भर किसान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के तहसील चुरहट के ग्राम बढौना निवासी स्वामी चरण सिंह ने यह साबित किया है कि यदि संकल्प मजबूत हो और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग किया जाए, तो ग्रामीण क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता हासिल की जा सकती है। स्वामी चरण सिंह का परिवार पीढ़ियों से कृषि एवं पशुपालन से जुड़ा रहा है। पहले उनकी आमदनी केवल खेती तक सीमित थी, जिससे परिवार की जरूरतें तो पूरी हो जाती थीं, परंतु आर्थिक स्थिति पर्याप्त मजबूत नहीं थी।

वर्ष 2024 में उन्होंने आधुनिक दृष्टिकोण अपनाते हुए केंद्र सरकार की राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) योजना के अंतर्गत सूकर पालन व्यवसाय शुरू किया। इस योजना के तहत उन्हें विभाग से वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, पशुधन बीमा तथा विपणन (मार्केटिंग) संबंधी सहयोग प्राप्त हुआ। इन सुविधाओं के कारण उन्होंने इस व्यवसाय को वैज्ञानिक ढंग से विकसित किया।

सूकर पालन की शुरुआत के एक वर्ष के भीतर ही उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो गई। वर्तमान में उनके पास 204 सूकर हैं और वे नियमित रूप से लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस सफलता ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊँचाइयाँ दी हैं।

आज स्वामी चरण सिंह क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। वे अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग और निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उनकी यह सफलता कहानी दर्शाती है कि यदि इच्छाशक्ति और परिश्रम हो तो सरकारी योजनाएँ ग्रामीण जीवन को नई दिशा दे सकती हैं और गांवों की अर्थव्यवस्था को सशक्त बना सकती हैं।

अमहिया पुलिस ने चोरी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस प्रभारी अमहिया उनि शिवा अग्रवाल ने थाना स्टाफ के साथ मिलकर चोरी करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया। सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट की गई कि उनके अटल पार्क के पास स्थित आवास के दरवाजे को खोलकर अज्ञात आरोपी ने आवास के अंदर रखी इनवर्टर की बैट्री चोरी कर ली है। रिपोर्ट पर थाना अमहिया रीवा में अपराध पंजीबद्ध किया गया और विवेचना प्रारंभ की गई।

प्रकरण की विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना पर आरोपीगण गौरव सिंह पटेल उर्फ प्रिंस पिता नागेंद्र सिंह पटेल, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम बेला, पोस्ट छिबौरा, थाना रामपुर बघेलान, जिला सतना और विजय सेन उर्फ बिज्जू पिता

स्व. पुरुषोत्तमदास सेन, उम्र 22 वर्ष, निवासी ढेकहा, विद्या मंदिर स्कूल के पीछे, रीवा, थाना सिविल लाइन को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने सिविल लाइन कालोनी स्थित एक कमरे में घुसकर इनवर्टर की बैट्री चोरी करने की बात स्वीकार की। दोनों आरोपियों के संयुक्त कब्जे से चोरी गई बैट्री को जप्त कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें केंद्रीय जेल भेज दिया गया है।

नशामुक्त समाज की ओर कदम - सीधी जिले में मद्यनिषेध सप्ताह के तहत 11 हजार महिलाओं ने ली ई-शपथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक मद्यनिषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ती मद्यपान एवं नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक कर नशा मुक्ति की दिशा में जनचेतना का निर्माण करना है। नशे के दुष्परिणामों से सबसे अधिक प्रभावित महिलाएँ होती हैं, जिन्हें समाज और परिवार दोनों स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी के अंतर्गत लगभग 11,000 स्व-सहायता समूह की

महिलाओं ने 6 अक्टूबर 2025 को नशा मुक्ति की शपथ ली एवं म.च्समकहम के माध्यम से ई-शपथ ग्रहण किया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी के अंतर्गत लगभग 1,917 आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला सीधी द्वारा जिले के समस्त जिला प्रमुखों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों, शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्यों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों, ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों, एनजीओ प्रतिनिधियों एवं युवा वर्ग से नशा न करने एवं नशामुक्ति की ई-शपथ लेने की अपील की गई है।

किसान नेताओं की गिरफ्तारी निंदनीय- संयुक्त किसान मोर्चा रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट रीवा में धान खरीदी घोटाला के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय से भोपाल रवाना हो रहे किसान नेताओं को पुलिस ने कलेक्टर कार्यालय में ही गिरफ्तार कर लिया। यह घटना तब हुई जब किसान नेता और उनके समर्थक वीडा खरीदी केंद्र में हुए बड़े घोटाले के खिलाफ आवाज उठाने के लिए एकत्रित हुए थे। इस घोटाले में 63 किसानों का 1 करोड़ 28 लाख रुपये का भुगतान आज दिनांक तक लंबित है। किसान कई बार आंदोलन कर चुके हैं और तहसीलदार, एसडीएम, खाद्य निरीक्षक, कलेक्टर, कमिश्नर, और उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला को शिकायत पत्र सौंप चुके हैं। लेकिन, किसानों को आज तक केवल आश्वासन ही मिला है, जिससे उनकी निराशा बढ़ती जा रही है।

किसान नेताओं ने कहा कि इस स्थिति से आक्रोशित किसान धान खरीदी का भुगतान, खाद संकट, और आवारा पशु समस्या को लेकर हाथ-पैर में बेड़ियां डालकर भोपाल कूंच का नारा दे रहे थे। उनका उद्देश्य था कि वे अपनी समस्याओं को सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचाएं।

कलेक्टर कार्यालय में मौजूद जितने किसान थे, उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर बिछिया थाना में नजरबंद कर दिया है। वहीं, बाकी किसान जो सीधे रेलवे स्टेशन पहुंचे, उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई। यह कार्रवाई किसानों के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अपनी आवाज उठाने का साहस किया। संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जिला प्रशासन बिना शर्त किसानों को रिहा करे और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करे। यदि प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संयुक्त किसान मोर्चा बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा, जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

किसान नेता सुब्रत मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह समय है जब प्रशासन किसानों की समस्याओं को गंभीरता से ले। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता।

अल्ट्राटेक की तानाशाही के खिलाफ किसानों में असंतोष किया प्रेस वार्ता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य किसान मजदूर संघ रीवा, मध्य प्रदेश द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। किसान मजदूर संघ के अध्यक्ष भक्तराज सिंह ने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के प्रबंधन द्वारा ग्रामीणों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने कानून बनाया है कि 500 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाली कंपनियों को अपने इनकम का 2% सीएसआर फंड बनाकर प्रभावित गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खर्च करना होगा।

लेकिन अल्ट्राटेक ने इस कानून का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों की हालत दयनीय है, बच्चे टाट पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं, और अस्पताल की व्यवस्था भी न के बराबर है।

किसान नेताओं ने कहा कि कंपनी क्षेत्रीय लोगों को रोजगार देने के बजाय बाहर से तकनीकी मजदूर बुला रही है, जिससे स्थानीय लोगों का अपमान हो रहा है। जल स्तर कम होने के कारण पीने के पानी का संकट भी बढ़ गया है।

विंध्य किसान मजदूर संघ के सह सचिव लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि गांव में प्रदूषण के कारण गंभीर बीमारियां फैल रही हैं, लेकिन सीएसआर फंड से कोई मदद नहीं मिल रही है। संरक्षक लालमणि पांडेय ने कहा कि अल्ट्राटेक के आने के बाद से भूखमरी, बेरोजगारी और बीमारियों की समस्या बढ़ गई है। पिछले छह महीने से आंदोलन चल रहा है, लेकिन प्रशासन और कंपनी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

प्रेस वार्ता में उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि वे ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट रहेंगे और आंदोलन को और मजबूत करेंगे। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन और प्रशासन की होगी।

मीडिएशन फॉर द नेशन 90 दिवसीय विशेष अभियान के माध्यम से कुल 53 मामलों का सौहर्दपूर्ण का निपटारा किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) तथा मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) के एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री प्रयाग लाल दिनकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एवं श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, श्री मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष अखिल भारतीय अभियान, मीडिएशन फॉर द नेशन दिनांक 01.07.2025 से 07.10.2025 तक चालाया गया। इस 90 दिवसीय गहन अभियन का उद्देश्य राज्य भर में लंबित मामलों को सुलह (मीडिएशन) के माध्यम से निपटान था, जिसमें जिला न्यायालय सीधी, तहसील न्यायालय चुरहट, मझौली, रामपुर नैकिन एवं कुटुंब न्यायालय सीधी के अंतर्गत विचाराधीन मामलों का मीडिएशन के माध्यम से त्वरित निराकरण किये जाने हेतु जिला न्यायालय सीधी में दिनांक 01.07.2025 से मीडिएशन फॉर नेशन 90 दिवसीय विशेष अभियान का सफल आयोजन किया गया।

न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधीश, मप्र उच्च न्यायालय एवं संरक्षक-इन-चीफ म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रेरणा तथा न्यायामूर्ति अतुल श्रीधरन, कार्यकारी अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित उपयुक्त मामलों का निपटारा करना और मध्यस्थता को एक उपयोगकर्ता अनुकूल विवाद समाधान प्रणाली के रूप में बढावा देना था, ताकि मप्र के प्रत्येक कोने में इसे अपनाया जा सकें।

अभियान के दौरान कुल 53 मामलों का सफलता पूर्वक सुलह के माध्यम से निपटारा किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में पुराने लंबित मामले भी शामिल थे। इन निपटाये गए मामलों में विभिन्न श्रेणियों के विवाद शामिल थे- जैसे वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस मामले, आपराधिक सुलह योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण तथा अन्य दीवानी मामले।

यह उल्लेखनीय है कि ''मीडिएशन फॉर द नेशन'' अभियान नालसा और सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) द्वारा 01 जुलाई 2025 से शुरू किये गए एक 90 दिवसीय अखिल भारतीय पहल है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों के शीघ्र समाधान को बढावा देना है, साथ ही मध्यस्थता को एक किफायती और समय बचाने वाले विवाद समाधान तंत्र के रूप में जन जागरूकता फैलाना भी है।

यह अभियान तहसील न्यायालयों से लेकर जिला न्यायालयों तक सभी स्तरो पर लागू किया गया है और इसमें विवाह, दुर्घटना, दीवानी, आपराधिक सुलह योग्य, उपभोक्ता विवाद आदि श्रेणीयों के मामले शामिल किये गए है।

यह अभियान मध्यस्थता, संवाद और सहयोग की शक्ति को दर्शाता है, जो विवादो के समाधान, न्यायालयों के बोझ को कम करने और सामाजिक सौहर्द को बढाने में सहायक है।

किसानों को हर हाल में मिलेगा सोयाबीन फसल का उचित दाम: मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की मेहनत का सम्मान दिलाने के लिए उन्हें हर हाल में सोयाबीन फसल का उचित दाम दिलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावान्तर योजना के अंतर्गत किसानों का पंजीयन 17 अक्टूबर तक जारी रहेगा। फसल बिक्री के 15 दिन के भीतर भाव में अंतर की राशि सीधे किसानों के बैंक खाते में अंतरित कर दी जाएगी।

उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास ने मेडिकल स्टोर में कफसिरप की आकस्मिक जांच-पड़ताल की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार उपखण्ड अधिकारी राकेश शुक्ला ने अपनी टीम के साथ मिलकर जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने सिटी मेडिकल, अभिषेक मेडिकल, रामा मेडिकल, श्री श्याम मेडिकल, राजपूत मेडिकल और मनोज मेडिकल दुकानों में रखी कफ सिरप और अन्य दवाओं की गुणवत्ता की जांच की। निरीक्षण में यह पाया गया कि सभी दुकानों में रखी दवाओं की गुणवत्ता मानक के अनुसार थी

और कोई भी दवा अमानक नहीं पाई गई।

उपखण्ड अधिकारी राकेश शुक्ला ने कहा कि यह निरीक्षण जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मेडिकल स्टोर्स में दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोर पर लगातार निगरानी की जाएगी और यदि किसी भी दुकान में प्रतिबंधित दवाएं, अमानक दवाएं या एक्सपायरी डेट पार कर चुकी दवाएं पाई जाती हैं, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे केवल प्रमाणित और लाइसेंसधारी स्टोर्स से ही दवा खरीदें और दवा का सही उपयोग सुनिश्चित करें। इस तरह की नियमित जांच से जिले में दवा सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

प्रतिबंधित दवाओं की जांच हेतु अनुभागवार अधिकारी नियुक्त, अपर कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने आदेश जारी कर जिले के सभी मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, झोला छाप (बिना लाइसेंस वाले चिकित्सक) तथा सरकारी आपूर्ति केन्द्रों में कोल्डरिफ, नेक्ट्रो-डीएस सिरप एवं अन्य प्रतिबंधित अथवा अमानक दवाओं के स्टॉक, गुणवत्ता और बिक्री की व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं। आदेशानुसार, इस जांच कार्यवाही के लिए अनुभागवार अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो अपने-अपने क्षेत्र में जांच कर आवश्यक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे तथा नियमों के उल्लंघन पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उपखण्ड गोपद बनास के लिए नियुक्त अधिकारियों में राकेश शुक्ला (उपखण्ड दण्डाधिकारी गोपद बनास), राकेश कुमार शुक्ला (तहसीलदार गोपद बनास), चन्द्रप्रकाश त्रिवेदी (नायब तहसीलदार गोपद बनास), राधेश्याम भट्टी (औषधि निरीक्षक प्रभारी सीधी), डॉ. श्रीया त्रिपाठी (प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सेमरिया) तथा दीपक कुमार द्विवेदी (फार्मासिस्ट प्रा.स्वा. केन्द्र बंजारी) शामिल हैं।

इसी प्रकार चुरहट/रामपुर नैकिन अनुभाग हेतु शैलेश द्विवेदी (उपखण्ड अधिकारी चुरहट), साक्षी गौतम (तहसीलदार चुरहट), रामप्रताप सोनी (प्रभारी नायब तहसीलदार चुरहट), सुषमा देवी रावत (प्रभारी तहसीलदार नायब कोर्ट पटपरा), आशीष कुमार मिश्रा (प्रभारी तहसीलदार रामपुर नैकिन), महेन्द्र कुमार द्विवेदी (प्रभारी नायब तहसीलदार रामपुर नैकिन), डॉ. वरुण सिंह (चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र चुरहट), डॉ. प्रेरणा सुजीत त्रिपाठी (प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र रामपुर नैकिन) एवं रितेन्द्र सिंह (फार्मासिस्ट सा.स्वा. केन्द्र चुरहट) को जांच कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिहावल अनुभाग में प्रिया पाठक (उपखण्ड दण्डाधिकारी सिहावल), परमसुख बंसल (प्रभारी तहसीलदार सिहावल), दिनेश तिवारी (प्रभारी नायब तहसीलदार सिहावल), इन्द्रभान सिंह (प्रभारी तहसीलदार बहरी), जयप्रकाश पाण्डेय (प्रभारी नायब तहसीलदार बहरी), डॉ. रामभूषण पटेल (प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र सिहावल), डॉ. अमित वर्मा (चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र बहरी), प्रतीक पाण्डेय (फार्मासिस्ट सा.स्वा. केन्द्र सिहावल) एवं सुनील सिंह चंदेल (फार्मासिस्ट प्रा.स्वा. केन्द्र अमरपुर) को जिम्मेदारी दी गई है।

मौत का कफ सिरप

संपादकीय

कफ सिरप पीने से राजस्थान और मध्यप्रदेश में 18 बच्चों की मौत हो चुकी है। न जाने ऐसी कितनी मौतें हो चुकी हैं अथवा हो सकती हैं, क्योंकि ऐसी घटनाएं दर्ज भी कम होती हैं। कंपनियां कफ सिरप में जहरीला, रासायनिक यौगिक मिलाने से बाज आ जाएंगी, हम ऐसा नहीं मानते। बच्चों की मौत का सिलसिला 1937 से जारी है, जब अमरीका में कफ सिरप पीने से 105 जिंदगियां थम गई थीं। यह विश्व की ऐसी पहली त्रासदी थी। 1938 में अमरीका ने संबद्ध कानून को ही बदल दिया और कफ सिरप में 'डायएथिलीन ग्लाइकॉल' (डीईजी) के इस्तेमाल पर ही रोक लगा दी। तब से कोई भी सामूहिक त्रासदी सामने नहीं आई है। बहरहाल आप सचेत रहें, डरने की जरूरत नहीं है। डॉक्टरों का कहना है और भारत सरकार ने भी परामर्श जारी किया है कि 5 साल की उम्र से कम बच्चों को खांसी-जुकाम का कोई भी सिरप न पिलाया जाए। पुरखों के घरेलू इलाज ज्यादा असरदार हैं। वैसे भी खांसी दो-तीन दिन में खुद ही ठीक हो जाती है। जिस कंपनी का कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' पीकर बच्चों की मौत हुई है, सरकार ने तुरंत प्रभाव से उसे और कंपनी की अन्य 19 दवाओं को प्रतिबंधित कर दिया है। यह सवाल अभी सामने है कि न जाने कितनी कंपनियां अब भी कफ सिरप बनाने में डीईजी का इस्तेमाल कर रही हैं? यदि सरकार की एजेंसियां गंभीर होकर ऐसी कंपनियों की दवाओं का निरीक्षण करेंगी, तो हम त्रासदियों से बच सकेंगे! दरअसल डीईजी मीठे स्वाद वाला, रंगहीन, गंधहीन, तरल पदार्थ होता है। इसका उपयोग औद्योगिक सॉल्वेंट के तौर पर किया जाता है। दवाओं में इसके इस्तेमाल की भारत में भी सख्त मनाही है। यह पेंट, स्याही और कुछ प्लास्टिक के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। दवा में कंपनियां मुनाफे के लिए प्रोपीलीन ग्लाइकॉल के साथ मिलावट के तौर पर डीईजी का इस्तेमाल करती हैं। प्रोपीलीन सुरक्षित है, लेकिन काफी महंगा है। डीईजी गुर्दे, यकृत, तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। बच्चों में इसके शुरुआती लक्षण ये हैं कि उन्हें उल्टी, पेट दर्द और कम पेशाब की शिकायत होने लगती है।

अंततः गुर्दे फेल हो जाते हैं और मौत हो जाती है। यह कोई पहला हादसा या त्रासदी नहीं है। 2022 में जांबिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। भारतीय कंपनी के कफ सिरप को आरोपित किया गया। उज्बेकिस्तान में भी 65 बच्चे कफ सिरप पीने के बाद मर गए। भारतीय कंपनी को त्रासदी का जिम्मेदार माना गया। 2020 में जम्मू-कश्मीर में कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत हो गई थी। उस हादसे की फाइलें धूल फांक रही होंगी, क्योंकि उसके पांच साल बाद यह त्रासदी सामने आई है।

एआई सबको भायी, खतरे भी लाई

योगेश कुमार सोनी

तकनीक का जितना फायदा नहीं होता उससे ज्यादा नुकसान होने लगता है। बीते दिनों एक रिपोर्ट आई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कुछ लोगों के नकली आधार और पैन कार्ड बनाने का प्रयास किया गया।आजकल अपनी फोटो को चैट जीपीटी से कलात्मक व आकर्षक बनाने के लिए लोग इसका जमकर प्रयोग कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर गूगल जेमिनी का (बनाना एआई साडी ट्रेंड) किस्सा वायरल हो रहा है, जिसमें यूसर्ज अपनी फोटो को एआई की मदद से साडी में बदल रहे हैं। बीते दिनों एक महिला ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उससे इस ऐप का प्रयोग किया और साडी वाली तस्वीर बनवाई, लेकिन एआई ने उसकी फोटो के शरीर के उस हिस्से का तिल दिखा दिया जो उसकी अपलोड की गई फोटो में नजर नहीं आ रहा था। इस बात से वह महिला बहुत भयभीत हो गई और इस घटना को डरावना बताया और बाकी लोगों को भी चेताया कि बिना सोचे समझे अपनी फोटो इस तरह के ऐप पर न डालें।

इसके अलावा एक लड़का जो किसी लड़की को चाहता था लेकिन लड़की उसको पंसद नहीं करती थी। उसने एआई की मदद से अपना और उसके फोटो को मिलाकर किसिंग वाला वीडियो बना दिया और उसको उस लड़की के रिश्तेदार व दोस्तों को सेंड कर दिया, जिससे उसकी इमेज पर बडा डेंट पडा। दरअसल आज भी एक आयु वर्ग एआई से परिचित नही हैं तो कुछ लोगों ने उसको असली मान लिया, जिससे वह लड़की को ही गलत समझने लगे। स्थिति यह थी कि लड़की आत्महत्या करने की कोशिश करने लगी लेकिन उसको बचा लिया। यह एक छोटी सी घटना है लेकिन देशभर में हर रोज ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा एक शर्मसार करने वाले घटना सामने आई जिसमें देश के बड़े संत व कथावाचकों के साथ पोर्न स्टार का बात करते हुए व अश्लील हरकत करते हुए वीडियो बना दिया गया। इस घटना से समाज में एक नकारात्मकता फैली व भक्त बहुत नाराज हुए।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के महोबा में शातिर दिमाग लोगों ने एआई का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व को चूना लगा दिया। महोबा जिले में इस हाईटेक फर्जीवाड़ा में तीन लोग धरे गए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपितों ने खनिज विभाग की आधिकारिक वेबसाइट upmines.updsc.gov.in की हूबहू कॉपी बनाते हुए www.upmines-upsdc.gov.ink नाम से नकली पोर्टल तैयार कर लिया। वह इस वेबसाइट के जरिए ठेकेदारों और बिचौलियों को फर्जी ई-ट्रांजिट पास (रॉयल्टी प्रपत्र) उपलब्ध करा रहे थे। ऐसी घटनाओं से विशेषज्ञ चिंतित तो हैं लेकिन अब तक इसका कोई हल नहीं निकल पाया।

09 सितंबर, 2025 को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया और व्यक्तियों व प्लेटफॉर्मों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अन्य तरीकों से उनकी छवि, पहचान और व्यक्तित्व के दुरुपयोग से रोकने की मांग की। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी, वकील प्रवीण आनंद और ध्रुव आनंद पेश हुए। उन्होंने दलील दी कि ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम और चेहरा उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां तक कि उनके नाम पर कथित रूप से पैसे भी वसूले जा रहे हैं। सेठी ने अदालत को बताया कि उनकी छवि का ऑनलाइन इस्तेमाल यहां तक किया जा रहा है कि किसी की यौन इच्छाओं की पूर्ति हो सके, जिसे उन्होंने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

ऐश्वर्या की याचिका ने देश के मनोरंजन उद्योग में डीप फेक और एआई जनित कंटेंट से बढ़ते खतरे को उजागर किया है। ऐश्वर्या राय से पहले, बॉलीवुड के दिग्गज जैकी श्रॉफ ने मई में अदालत का रुख किया था। उनका आरोप था कि उनके नाम पर मर्चेंडाइज बेचना और उनके विकृत वीडियो बनाने जैसी गतिविधियां प्रथम दृष्ट्या, उनकी शख्सियत और पब्लिसिटी राइट्स के अनधिकृत शोषण के माध्यम से व्यावसायिक लाभ कमाने के प्रयास लगते हैं। अदालत ने उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की सुरक्षा की थी। हाल के महीनों में कई बड़े सितारों ने भी अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए इसी तरह के कदम उठाए हैं।

बिहार चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 2025 बिहार विधानसभा चुनाव का पूरा शेड्यूल घोषित कर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव तारीखों की घोषणा करते हुए कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। कुल 243 सीटों पर होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के इस महायुद्ध को सिर्फ दो चरणों में संपन्न करने का फैसला लिया गया है, जो राज्य के इतिहास में पहली बार होगा। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को होगा, जबकि दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी।

बिहार चुनाव की घोषणा व सीटों पर माथापच्ची

संजय गोस्वामी

वहीं वोटों की गिनती यानि मतगणना 14 नवंबर को होगी। पहले चरण में यानि 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान होंगे, वहीं दूसरे चरण यानि 11 नवंबर को 122 सीटों पर वोटिंग होगी, इधर भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा और एनडीए को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर पूरा भरोसा है और विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।बिहार चुनाव का प्रचार में क़ोई 4पांच सीट लेने वाले केंद्रीय मंत्री मांझी जी 20-25 सीट से अधिक मांग रहें हैं क्योंकि पार्टी को केंद्रीय मान्यता चाहिए लोजपा को भी 40-50 सीट चाहिए पूर्व मंत्री श्री उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी लोक समता पार्टी को भी 20-25 सीट चाहिए यानि कुल मिलाकर 80-90 सीट इन दलों को चाहिए तो मुख्य पार्टी बीजेपी और जेडीयू 243 विधान सभा में आपस में 60-70 सीट में लड़ना होगा तो एनडीए की सरकार कैसे बनेगी सीट तो सभी लेना चाह रहें हैं लेकिन जीत कितने पर होगी ऐ एक प्रश्न चिंह है उधर महागठबंधन में भी आपस में सीटों में खींचातानी चल रही है जिससे आरजेडी भी आसंजस में है आरजेडी में चुनाव को तेजस्वी को लेकर परिवार के अंदर ही बगाबत हो गई और तेज प्रताप यादव जो उनके भाई हैं एक अलग ही पार्टी बना ली इन सब के बीच जनसुराज पार्टी चुनाव प्रचार में पार्टियों के मंत्री पर आरोप लगा रहें हैं लेकिन जब मालूम था ऐ क्राइम किया है तो अभी चुनाव में क्यों बता रहें है पहले बताना चाहिए और खुद पहले अपने को भी देखना चाहिए एक कहावत है बुरा बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ यह संत कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है जिसका अर्थ है कि जब मैं दुनिया में दूसरों की बुराई खोजने चला, तो कोई बुरा व्यक्ति नहीं मिला।

लेकिन जब मैंने अपने अंदर झाँका और अपने मन को टटोला, तो मुझे पता चला कि मुझसे बुरा कोई नहीं है अतः पहले खुद को भी देखना चाहिए बिहार में माफियाओ के बल पर आज भी सरकार बनती है ऐ किसी से छिपा नहीं है और बिहार में सत्ता में रहने के लाठी का दबदबा भी चाहिए नहीं तो कोई भी पार्टी को तोड़ कर इधर से उधर चला जायेगा प्रशांत किशोर जी को चाहिए आरोप या प्रत्यारोप से बच कर जनता के लिए कुछ करना चाहिए गलत गलत ही होता है जब यहाँ से सज़ा नहीं मिलता तो ऊपरवाला छोड़ नहीं देगा समय का इंतजार करिये अभी राज खोलने से जनता के बीच में ऐ संदेश जाता है कि पहले इतना दिन से कहाँ थे और अभी चुनाव के बीच करने का मतलब है सत्ता पाना जो कुछ ही सीट 3-4 से ज्यादा नहीं मिलने वाली है चुनाव जितने के लिए काम करना होता है और जब काम करेंगे और जनता जरूर जीता देगी और जब जीत कर सरकार बन जाएगी तो जाँच करा देना अतः इन सब के राज खोलने से जनता को मिलेगा क्या? जनता की सेवा करो और किसी के व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए जब हम दूसरों में दोष ढूंढने निकलते हैं, तो हमें बहुत सारे लोग बुरे लग सकते हैं, लेकिन यह एक ऊपरी और भ्रामक सोच है इससे जनता को क्या मिलेगा फैसला तो अदालत में होता है दूसरों की आलोचना करने या निंदा करने के बजाय, हमें अपनी बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए और सेवा से ही जीत मिलेगी आरोप से नहीं क्योंकि जब बने थे तब कहाँ थे उस समय क्यों नहीं आबाज निकला इतने दिनों से आवाज़ बन्द क्यों थी ऐ चुनाव के समय ही क्यों याद आ रहा है मुख्यमंत्री किसे बनाना ऐ पहले ही बता देना जो गलती करता है या जो गलत काम करता है भी कहा जा सकता है, जहाँ गलत का मतलब गलत या अनुचित है, और करने वाला का मतलब वह व्यक्ति है जो ऐसा करता है या काम करता है।लेकिन उसके लिए न्यायलय है उसका फैसला तथ्यों के आधार पर होता है संत कबीर कहते हैं संसार में बुरे लोगो को खोजा, तो मुझे कोई भी बुरा आदमी नहीं मिला7 परन्तु जब अपने अंदर झाँका (अपनी अंतरात्मा में खोजा) तो मुझसे बुरा नहीं कोई इस संसार में 7क्या आप नीतीश कुमार को हलके में ले रहें है वो राजनीती के माहिर खिलाड़ी है।नीतीश कुमार सभी मुद्दे पर मौन है क्योंकि किसी के व्यक्तिगत टिप्पणी से पार्टी को नुकसान होगा इसलिए बिहार को इधर नई नई सौगात दे रहें है और कई महिला किसानों के खाते में 10 हजार रूपये भी मिले हैं अतः एनडीए में जब मोदीजी भाषण देने आएंगे तो खेल का रूख मोड़ देंगे क्योंकि महिलाओ में काफी भरोसा है आखिर प्रशांत किशोर को अभी ही सब बुरे क्यों नजर आ रहें हैं पहले ही बताना चाहिए था तभी समझ में आता आप अपने लिए नहीं बिहार के लिए सोच रहें हैं। जितन राम मांझी को नीतीश कुमार मना लेते हैं और वो केंद्रीय मंत्री भी हैं अतः फिर से नीतीश कुमार की अगुआई में सरकार बनेगी और प्रशांत किशोर कांग्रेस का वोट काटेंगे और 2-3 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगी वहाँ पहले उपेंद्र कुशवाहा भी अलग चुनाव लड़ कर देख चूंके हैं और बिहार बहुत ही चालक है उसे जंगल राज के बारे में खुद पता है बिहार में पढ़े लिखे लोगों की भी एक अच्छी संख्या है वो नहीं चाहेगी की श्री तेजस्वी यादव जैसे को बिहार की कमान दें अतः कुल मिलाकर मुकाबला दिलचस्प होगी लेकिन नीतीश कुमार राजनीति के माहिर खिलाड़ियों में से एक हैं जो जीत की ओर बढ़ते दिख रहें हैं और आरजेडी के अपने ही घर में कलह दिख रहा अतः तेजस्वी को अपने ही घर से मुख्यमंत्री पद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

कफ सिरप विवाद-सर्दी खांसी की दवा से पैदा हुआ राष्ट्रीय अलार्म और अंतरराष्ट्रीय चिंता

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में पिछले कुछ समय से दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में एक कफ सिरप को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है,उसने न केवल भारत के कई राज्यों को कार्रवाई के लिए मजबूर किया है, बल्कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय भी बन गया है।तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राजस्थान और केरल जैसे राज्यों ने इस सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि गुजरात समेत कई अन्य राज्यों ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि यह पूरा प्रकरण भारत के औषधि नियंत्रण ढांचे,दवा उद्योग की पारदर्शिता,और बच्चों की सेहत से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कफ सिरप विवाद- खांसी की दवा से पैदा हुआ राष्ट्रीय अलार्म और अंतरराष्ट्रीय चिंता- स्वास्थ्य सुरक्षा,नियमन और जवाबदेही पर व्यापक विश्लेषण साथियों बात अगर हम एक कफ सिरप विवाद की पृष्ठभूमि, प्रतिबन्ध तथा एक साधारण खांसी की दवा से कैसे मचा हाहाकार इसको समझने की करें तो एक कफ सिरप एक ओवर- द-काउंटर (ओटीसी) दवा के रूप में बाजार में बेची जा रही थी। यह सामान्य तौर पर सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत के लिए दी जाती थी। इस सिरप का निर्माण कई छोटी फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा किया जा रहा था, और यह विभिन्न ब्रांड नामों से ग्रामीण और शहरी बाजारों में उपलब्ध थी। विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ राज्यों में स्वास्थ्य विभागों को रिपोर्ट मिली कि बच्चों को यह सिरप देने के बाद उल्टी, सांस लेने में तकलीफ और लिवर फेल्योर जैसी लक्षण सामने आ रहे हैं।

भारतीय वायुसेनाः साहस, समर्पण और शक्ति का संगम

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है।

भारतीय वायुसेना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं, सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं। भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा। भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं।

भारत के मुकाबले चीन के पास भले दोगुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था- 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स।' 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और साल 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे।

राष्ट्रीय सम्मेलन के सुझाव पर क्रियान्वयन करेगी राज्य सरकार

इंडियन वेटनरी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय समेलन का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में इंडियन वेटनरी और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में वन हेल्थ सिनर्जी (एक स्वास्थ्य तालमेल) को मज़बूत करना- 'अंतर-क्षेत्रीय नवाचार और एकीकरण के माध्यम से एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध) का मुकाबला' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। दुर्ग के पृथ्वी पैलेस पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में आयोजित है। कृषि मंत्री श्री नेताम व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल, विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा एवं श्री ललित चंद्राकर और जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन पशु एवं मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और वन्य जीवों के बीच बहुक्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। जिसका उद्देश्य वन हेल्थ फ्रेमवर्क के अंतर्गत एन्टीमाइक्रोबियल रेसिसटेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती से प्रभावी ढंग से निराकरण करना है। उन्होंने आयोजकों से कहा कि इस सम्मेलन में दिए गए सुझाव को केन्द्र व राज्य सरकार को अवगत कराएं। ताकि इसका क्रियान्यन सरकार द्वारा और बेहतर ढ़ंग से किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय के साथ दवाईयों पर अनुसंधान भी बढ़े है। इनके उपयोग पर मानव आज उलझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आज भी एक चुनौती है।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से पशु पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही कृषि के मामले में जैविक खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे आना चाहिए। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे जैविक खेती को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और वैज्ञानिक तकनीको को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए कृषि एवं पशुपालन विभाग के माध्यम से किसानों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री चंद्राकर की मांग पर कामधेनु विश्वविद्यालय अंतर्गत दुर्ग में कृषि महाविद्यालय की घोषणा की। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विश्वविद्यालय की स्मारिका, सोवेनियर बकरी प्रशिक्षण कैलेण्डर 2026 का विमोचन किया।

सांसद श्री विजय बघेल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में दुर्ग में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सम्मेलन के दौरान विषय विशेषज्ञों के सुझावों से प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का सुझाव शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे राज्य के नीति निर्धारण में इन सुझावों को समावेशित किया जा सके।

दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर और विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। कामधेनु विश्वविद्यालय के प्रभारी डीन डॉ. संजय शाक्य अपने स्वागत उद्बोधन में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. प्रवीण मलिक, कार्यपालन निर्देशक एवं एम्स रायपुर के सीईओ लेफ्टीनेंट जनरल अशोक जिंदल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति लुआस, हिसार (हरियाणा) डॉ. विनोद कुमार वर्मा, निर्देशक एनआईओएच नागपुर डॉ. प्रज्ञा यादव, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड डॉ. जी. मणि, अध्यक्ष इंडियन वेटनरी एसोसिएशन डॉ. सुधिर कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निर्देशक

प्रधानमंत्री आवास योजना से पूरा हुआ पक्का मकान का सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने एक बार फिर ग्रामीण परिवार के जीवन में खुशहाली की नई रोशनी जगाई है। योजना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है। बलौदाबाजार जिले के विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत कुलीपोता निवासी विमला निषाद, पति सियाराम निषाद का पक्का मकान निर्माण वर्ष 2024ङ्क25 में इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ था। पूर्व में विमला निषाद मिट्टी के कच्चे घर में अपने परिवार सहित निवास करती थीं। घर की जर्जर स्थिति के कारण बरसात और सर्दी के मौसम में रहना अत्यंत कठिन था। विमला निषाद रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं परंतु सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना संभव नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जब विमला निषाद का आवास स्वीकृत हुआ, तब उनके जीवन का एक नया अध्याय शुरू हुआ। आज विमला निषाद का सुंदर पक्का मकान बनकर तैयार हो गया है, जिससे उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने राज्यपाल रमेन डेका से की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आज राज्यपाल श्री रमेन डेका से महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रतापपुर स्थित विश्राम भवन में सौजन्य भेंट की। इस दौरान मंत्री राजवाड़े ने विभागीय गतिविधियों एवं प्रदेश में संचालित महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं की जानकारी राज्यपाल को दी।

राज्यपाल श्री डेका ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण एवं बाल कल्याण के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उन्हें निरंतर प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शुभकामनाएँ दीं। भेंट के दौरान राज्यपाल और मंत्री राजवाड़े के बीच पोषण अभियान, आंगनबाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा महतारी वंदन योजना के सकारात्मक प्रभाव पर भी चर्चा हुई।

डोड़की व्यपवर्तन योजना के जीर्णोद्धार हेतु मिली 14.21 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा स्थित डोड़की व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु 14.21 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति दर अनुसूची में किए गए अद्यतन संशोधन के आधार पर दी गई है।

डोड़की व्यपवर्तन का कार्य पूर्ण होने पर योजना की रूपांकित सिंचाई क्षमता 688 हेक्टेयर क्षेत्र तक पुनर्स्थापित की जाएगी, जिससे वर्तमान में हो रही 366 हेक्टेयर की कमी की पूर्ति सुनिश्चित होगी। इस योजना से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा में सुधार प्राप्त होगा तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।

राज्य शासन ने निर्देश दिए हैं कि कार्य स्वीकृत राशि और निर्धारित समयावधि में ही पूर्ण किया जाए।

हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा अगस्त 2025 का परिणाम घोषित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर ने आज हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा अगस्त 2025 का परिणाम घोषित किया । इस परीक्षा में कुल 15,036 छात्रों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 14,269 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त 2,540 छात्र ऋिष्ठ योजना के अंतर्गत सम्मिलित हुए । विभिन्न कारणों से 11 परीक्षार्थियों का परिणाम रोका गया । परिणाम घोषित किए गए 11,718 परीक्षार्थियों में से 5,424 छात्र उत्तीर्ण हुए, जिससे इस वर्ष का परीक्षाफल प्रतिशत 46.28त्न रहा।

परीक्षार्थी अपना परिणाम222.sos.cg.nic.in और222.result.cg.nic.in पर अपने रोल नंबर के माध्यम से देख सकते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों को सूचित किया जाता है कि वे आगामी परीक्षा सत्र में भाग लेने के लिए अपने अध्ययन केंद्र में आवेदन पत्र जमा करें। आवेदन प्रक्रिया और तिथियों की जानकारी संबंधित अध्ययन केंद्रों से प्राप्त की जा सकती है।

प्रदेश में अब तक 1191.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1191.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1618.3 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 546.8 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1132.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 985.7 मि.मी., गरियाबंद में 1213.4 मि.मी., महासमुंद में 1035.5 मि.मी. और धमतरी में 1138.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1184.7 मि.मी., मुंगेली में 1157.5 मि.मी., रायगढ़ में 1370.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1098.7 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1381.9 मि.मी., सक्ती में 1254.4 मि.मी., कोरबा में 1168.2 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1094.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 932.0 मि.मी., कबीरधाम में 856.6 मि.मी., राजनांदगांव में 1002.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1454.5 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 890.0 मि.मी. और बालोद में 1288.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 791.8 मि.मी., सूरजपुर में 1174.0 मि.मी., बलरामपुर में 1578.4 मि.मी., जशपुर में 1086.2 मि.मी., कोरिया में 1243.3 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1123.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1595.8 मि.मी., कोंडागांव जिले में 1187.8 मि.मी., कांकेर में 1388.8 मि.मी., नारायणपुर में 1448.7 मि.मी., सुकमा जिले में 1272.4 मि.मी. और बीजापुर जिले में 1613.0 मि.मी. की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

बेलबहरा शा. कन्या उच्चतर मा. विद्यालय में "ज्ञानवर्धक क्विज" प्रतियोगिता हुई सम्पन्न, जीत के लिए हुई कांटे की टक्कर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड स्तर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आ.जा.क. मनेंद्रगढ़ के परिसर में एक भव्य और प्रेरक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छठवीं से आठवीं और कक्षा नवमी से बारहवीं तक के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पांडे की अध्यक्षता में हुआ, जबकि कार्यक्रम के सफल संचालन में प्राचार्य बलराज पाल, एबीईओ वीरेंद्र पाण्डे, जिला नोडल इरफान खान, वरिष्ठ व्याख्याता सुनीता मिश्रा, ब्लॉक नोडल संदीप कुमार सिंह, एसआरजी खुशबू पी.दास, बीआरसी सुन्दर राम कैवर्त और मार्गदर्शक व्याख्याता पारसमढ़ी ने अहम योगदान दिया।

प्रतियोगिता में ब्लॉक मनेंद्रगढ़ के अधिकांश मिडिल स्कूल और हाई/हायर सेकेंडरी स्कूलों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। दो वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने ज्ञान, तर्कशक्ति और समझदारी के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया।

माध्यमिक स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निहाल यादव माध्यमिक शाला बरकेला, द्वितीय स्थान रवि कुमार यादव माध्यमिक शाला बरकेला और तृतीय स्थान गौरव चौधरी माध्यमिक शाला रांपाखेड़ा ने प्राप्त किया। वहीं, हाई/हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम स्थान कृष्णा साहू मनेंद्रगढ़, द्वितीय स्थान प्रिया यादव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षा विभाग मनेंद्रगढ़ और तृतीय स्थान वर्षा प्रजापति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोंगापानी) ने हासिल किया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में ज्ञान के प्रति उत्साह बढ़ाना, उनकी सोचने और समझने की क्षमता को सशक्त बनाना और शिक्षा के माध्यम से उनकी सर्वांगीण प्रतिभा को निखारना था। प्रतिभागियों ने न केवल अपनी अकादमिक समझ का प्रदर्शन किया, बल्कि आत्मविश्वास, टीम वर्क और मानसिक सतर्कता जैसे गुणों में भी उत्कृष्टता दिखाई।

बेलबहरा में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" के अंतर्गत बालिकाओं को दिया गया मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे की थीम पर बेलबहरा हाई स्कूल में बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, भावनात्मक सशक्तिकरण और समग्र व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन मिशन शक्ति हब की जिला समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया, जिन्होंने अपने प्रभावशाली संचालन से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर की मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता अमीषा कुशवाहा, चाइल्ड लाइन की परामर्शदाता रूमा पाठक, और बाल संरक्षण इकाई के परामर्शदाता श्री राकेश कुमार साहू ने बालिकाओं के जीवन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की और समाधान के उपाय बताए। विशेषज्ञ वक्ताओं ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण, और जीवन में संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को योग, ध्यान, आत्म-चिंतन और समय प्रबंधन जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

महतारी वंदन योजना से महिलाएं हो रहीं आत्मनिर्भर

शामपति ने योजना की राशि से शुरू किया बकरी पालन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में महतारी वंदन योजना आज प्रदेशभर की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में यह योजना महिलाओं को स्वावलंबन और सम्मान की नई राह दिखा रही है। शामपति ने इस योजना की राशि से शुरू की बकरी पालन, जिससे परिवार की स्थिति में आया सुधार आया ।

बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखंड के ग्राम पतरापारा निवासी शामपति इस योजना से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी हैं। योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। इस राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने बकरी पालन का कार्य प्रारंभ किया, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

शामपति ने बकरियों के लिए हवादार और स्वच्छ बाड़ा बनवाया, चारा, पानी और स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था की। पशु चिकित्सकों की सलाह से उन्होंने बकरियों का नियमित टीकाकरण और उपचार भी सुनिश्चित किया। उनके बकरी पालन ने अब परिवार के लिए स्थायी आय का स्रोत तैयार कर दिया है। वे बताती हैं महतारी वंदन योजना की राशि एक हजार रुपये शहर में कम लग सकती हैं, लेकिन हमारे लिए यह बहुत बड़ी सहायता है। इसी राशि से मैंने बकरी पालन शुरू की और आज हमारा जीवन पहले से बेहतर स्थिति में है। शामपति की सफलता से प्रेरित होकर गांव की अन्य महिलाएं भी बकरी पालन, सब्जी उत्पादन और छोटे व्यवसायों की ओर अग्रसर हो रही हैं। अब महिलाएं परिवार की आर्थिक रीढ़ बन रही हैं, जिससे ग्रामीण समाज में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना का उद्देश्य हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करना है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में लाखों महिलाओं को इस योजना के माध्यम से प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे महिलाएं अपनी आजीविका सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठा रही हैं। बलरामपुर जैसे आदिवासी बहुल जिलों में यह योजना महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बन गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महतारी वंदन योजना ने साबित किया है कि छोटी-सी आर्थिक सहायता भी यदि सही दिशा में दी जाए, तो समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

सेवा पखवाड़ा दिवस पर दिव्यांगजनों और वृद्धजनों को मिला संबल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती को जिले में सेवा पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम ने दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के जीवन में नई रोशनी भर दी। समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में आत्मानंद विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को सहारा प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना था।

इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष चम्पा देवी पावले थीं। उनके साथ जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष धरमेन्द्र पटवा, जन प्रतिनिधि राहुल सिंह, सरजू यादव, अभिषेक वर्मा और आशीष मजूमदार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण दिव्यांगजनों और वृद्धजनों को सहायक उपकरण प्रदान करना रहा। वृद्धजनों को छड़ी दी गई, जबकि दिव्यांगजनों के लिए मोटराइज सायकल, ट्राई सायकल, व्हीलचेयर और एयरफोन का वितरण किया गया। जैसे ही लाभार्थियों को उपकरण मिले, उनके चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास झलकने लगा।

मुख्य अतिथि चम्पा देवी पावले ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दिव्यांगजनों और वृद्धजनों की सेवा को मानवीय संवेदनशीलता का प्रतीक बताया। यह आयोजन समाज कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से संभव हुआ। दोनों विभागों के सहयोग ने न केवल सहायक उपकरणों का वितरण सुनिश्चित किया, बल्कि आयोजन की व्यवस्थाओं को भी उत्कृष्ट बनाया।

सीएसआर फंड से जशपुर को 61 करोड़ रूपए मिला पहली बार

6 करोड़ 19 लाख से होगा आठ स्कूलों भवनों का निर्माण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पहली बार सीएसआर फंड से 61 करोड़ की राशि विकास कार्यों के लिए जशपुर जिले को आबंटित की गई है। इस राशि से जिले में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है।

35 करोड़ से बन रहा है आधुनिक अस्पतालः 35 करोड़ की लागत से जिला मुख्यालय जशपुर में सौ बिस्तर की क्षमता वाली अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन स्व. जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय को संचालित करने की जिम्मेदारी वनवासी कल्याण आश्रम को दी गई है। इस अस्पताल भवन के निर्माण का कार्य रायगढ़ रोड में कल्याण आश्रम अस्पताल के प्रांगण में तेजी से चल रहा है। स्वीकृत राशि में से 17 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अगले साल 2026 तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार 18 करोड़ की राशि इस आधुनिक अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों और भौतिक संसाधन जुटाने के लिए किया जाएगा। इस अस्पाताल में मरीजों के लिए सीटीस्कैन, एमआरआई, आईसीयू, आईसीसीयू, डायलिसिस, आपातकालीन चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के लिए चिकित्सक, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। अस्पताल के चालू हो जाने से जिलेवासियों को उपचार के लिए अंबिकापुर, रांची, झारसुगड़ा, रायपुर जैसे दूरस्थ शहर की दौड़ लगाने से मुक्ति मिल सकेगी।

20 करोड़ से तैयार होगा तीरंदाजी केंद्रः जिले में तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए सीएसआर फंड से 20.53 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। एनटीपीसी के सीएसआर फंड से इस तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने सन्ना में जमीन तय कर ली है। इस आवासीय तीरंदाजी केंद्र में खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षक उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का लक्ष्य दिवंगत कुमार दिलीप सिंह जूदेव के सपने का मूर्त रूप देते हुए पहाड़ी कोरवाओं के धर्नुविद्या को निखार कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं योग्य बनाना है। वर्तमान में खनिज न्यास निधि के सहयोग से एकलव्य अकादमी का संचालन किया जा रहा है। इस अकादमी में तीरंदाजी के साथ ताईक्वांडो और तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सन्ना में तीरंदाजी केंद्र के शुरू हो जाने से जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों से लैस बड़ी सुविधा मिल सकेगी, जिससे खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की चमक बिखेरने का अवसर मिल सकेगा।

आठ स्कूल भवन का होगा निर्माणः सीएसपीटीसीएल के सीएसआर फंड से जिले में 8 स्कूल भवनों के निर्माण के लिए 6 करोड़ 19 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें फरसाबहार ब्लाक में पंडरीपानी, गारीघाट, कंदईबहार, कांसाबेल ब्लाक में बांसबहार, कुनकुरी ब्लाक में गिनाबहार, लोधमा, बगीचा ब्लाक में टटकेला और दुलदुला में नया स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा। इन स्कूल भवनों के निर्माण से जिले के छात्रों को बेहतर सुविधा के साथ

बेकाबू होकर पेड़ से टकराई बाइक, युवक की मौत

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के सिलवानी में सोमवार रात एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा सागर स्टेट हाईवे-15 पर नकटी नदी, खमेरा जोड़ के पास हुआ, जब बाइक बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। मृतक की पहचान रामभरोसे आदिवासी, पिता कारण सिंह आदिवासी, निवासी सुल्तानपुर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, रामभरोसे केसली थाना क्षेत्र के जूलनपुर से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान शाम करीब साढ़े सात बजे उसकी बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा भिड़ी। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को सिलवानी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल सिलवानी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

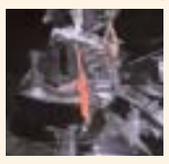

खरगोन में 8 केंद्रों पर सीसीआई की कपास खरीदी

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में भारतीय कपास निगम (ष्टष्टढ्ढ) द्वारा इस साल 8 केंद्रों पर कपास की खरीदी की जाएगी। फिलहाल, किसानों का पंजीयन 'किसान ऐप' के माध्यम से किया जा रहा है, लेकिन कपास में अधिक नमी और तकनीकी कारणों से खरीदी की प्रक्रिया में देरी हो रही है। अब संभावना है कि खरीदी 15 अक्टूबर के बाद शुरू हो सकेगी। इस बार खरगोन के अलावा कसरावद, सनावद, महेश्वर, भीकनगांव, बड़वाह, करही और बागोद में सीसीआई के खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। पिछले साल कपास खरीदी 1 नवंबर से शुरू हुई थी, लेकिन इस बार किसानों और संगठनों की मांग पर इसे पहले शुरू करने की योजना थी। हाल ही में हुई बारिश की वजह से कपास में नमी की मात्रा बढ़ गई है। सीसीआई नियमों के अनुसार, केवल 12न्न या उससे कम नमी वाला कपास ही खरीदा जाएगा। अधिक नमी के कारण किसानों को अभी अपने माल को रोक कर रखना पड़ रहा है। इसी वजह से खरीदी शुरू होने में देरी हो रही है। इस साल कपास का समर्थन मूल्य 8110 प्रति क्विंटल तय किया गया है। जिले में इस बार करीब 1.94 लाख हेक्टेयर में कपास की बुवाई हुई है। पिछले साल खरगोन जिले में करीब 3 लाख क्विंटल कपास की खरीदी की गई थी। सीसीआई से कपास बेचने के लिए किसानों का पंजीयन कराना अनिवार्य है, जो 31 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा। कलेक्टर भव्या मित्तल ने सभी डिप्टी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र की मंडियों में खरीदी प्रक्रिया की नियमित निगरानी करें, ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो।

वन्यप्राणी सप्ताह : आईएफएस-एसडीओ ने आदिवासी बच्चों को जागरूक किया

बुरहानपुर, एजेंसी। वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत नेपानगर क्षेत्र के वन ग्राम मांडवा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ट्रेनी आईएफएस और नेपानगर वन परिक्षेत्र के प्रभारी अजय गुप्ता और एसडीओ विक्रम सुलिया ने स्कूली आदिवासी बच्चों से संवाद किया। अधिकारियों ने बच्चों को जंगल की अहमियत और वन्य प्राणियों की घटती संख्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले अब जंगल में जानवर कम दिखाई देते हैं, जिसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियां और अंधाधुंध कटाई है। बच्चों को बताया गया कि जंगल और उसके जीव हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं, इन्हें बचाना हमारी जिम्मेदारी है। बच्चों को खेतों की मेढ़ों पर पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया ताकि मिट्टी का कटाव रोका जा सके। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि पेड़-पौधे न सिर्फ पर्यावरण को बचाते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन में भी मदद करते हैं। अधिकारियों ने बच्चों से उनके भविष्य के सपनों पर बात की। किसी ने पुलिस बनने की इच्छा जताई, तो किसी ने डॉक्टर या शिक्षक बनने की। बच्चों को समझाया गया कि पढ़ाई से ही वे अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं और अपने समाज को आगे बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम में वन्य प्राणी संरक्षण पर आधारित एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए। इसके साथ ही सभी बच्चों को पौधे वितरित किए गए और उन्हें इन पौधों की देखभाल करने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में वनकर्मी कमलेश रघुवंशी सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने बच्चों को वन और वन्य जीवन के महत्व को समझाने में सहयोग किया।

पुलिस को चैलेंज- बाप सेंट्रल जेल से छुड़ा लेगा

गिरतार किया तो रील बनाने वाले हाथ जोड़कर मांगने लगे माफी

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में दो युवकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने पुलिस को गालियां दीं और जेल से छूट जाने की धमकी भी दी। यह हरकत उन्हें भारी पड़ गई। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों माफी मांगते नजर आए।

घटना शहर के विराट नगर की है, जहां रहने वाले 19 साल के अभिषेक चौहान और विक्की राठौर ने इंस्टाग्राम पर करीब 1 हफ्ते पहले एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दोनों युवक पुलिस को अपशब्द कह रहे थे और चुनौती दे रहे थे कि यदि पुलिस उन्हें जेल भेजेगी तो उनके पिता उन्हें छुड़ा लेंगे।

वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और क्राइम ब्रांच ने दोनों को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने दोनों को सख्ती से समझाया, जिसके बाद उन्होंने आगे से इस तरह के वीडियो न बनाने की कसम खाई।

पहला वीडियो: अब डर नहीं लगता..ञ्चस. गुनाहों के खेल से, मेरा बाप जानता है कैसे छुड़वाना है छोरे को...ञ्चस. सेंट्रल जेल से... क्योंकि मेरा बाप छुड़वा लेगा एक ही दिन में सेंट्रल जेल से।

दूसरा वीडियो: शराफत से जी ले अपनी जिंदगी ये बदमाशी तेरे कुछ काम नहीं आएगी। भाई जितने लोग खड़े है न, हमसे महफिल में तुझे बचाने 112 नंबर की गाड़ी भी नहीं आएगी, हां...

तीसरा वीडियो : उज्जैन पुलिस सोशल मीडिया पर असामाजिक तत्वों को लगातार नोटिस करती है। मैं भी आप लोगों से बोलता हूं, लोगों को देखकर मैंने गंदी गाली वाली वीडियो बनाई थी। इस कारण मेरा आज ऐसा हाल हुआ। आप सबसे हाथ जोड़कर विनती है, इस तरह के वीडियो न बनाएं।

पुलिस से माफी मांगते रहे दोनों

दोनों युवकों का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वे पुलिस हिरासत में हाथ जोड़कर माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। युवकों ने स्वीकार किया कि उन्होंने गलत किया और अब से ऐसी हरकत नहीं करेंगे।चिमनगंज थाना पुलिस ने दोनों युवकों पर मामला दर्ज कर लिया है। उन्हें मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मंदसौर में ट्रक से 3920 किलो अवैध मछली जब्त

मंदसौर, एजेंसी। जिले के भानपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को अवैध रूप से मछली का परिवहन कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक ट्रक से 3920 किलोग्राम अवैध मछली जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपए बताई जा रही है। भैसोदामंडी चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक टाटा कंपनी के छोटे ट्रक (क्रमांक त्द्ब-32ञ्च8175) में चंबल नदी से निकाली गई अवैध मछली भरकर नीमथुर टोल चौराहा से भानपुरा-गरोठ होते हुए गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

पुलिस ने ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। ट्रक के कंटेनर में 112 कैरेट में 3920 किलोग्राम अवैध मछलियां भरी पाई गईं। जब्त की गई मछली की कीमत लगभग 3 लाख रुपए है। पुलिस ने मछली के परिवहन में उपयोग किए जा रहे ट्रक (कीमत 2 लाख रुपए) को भी जब्त कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अल्ताफ (57) पिता उमरशेख, जुबेर (40) पिता जावेद शेख, दोनों वेरावल, जिला गिर सोमनाथ, गुजरात निवासी, और राकेश (50) पिता किशनलाल, इंदौर निवासी के रूप में हुई।आरोपियों के खिलाफ भानपुरा थाने में धारा 303 (2) बीएनएस और 5 मत्स्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और अवैध मछली के स्रोत तथा खपतकर्ताओं के बारे में पूछताछ जारी है।

महिला अपराधों की जांच में सावधानी जरूरी

डीआईजी बोले- लापरवाही से आरोपी बरी हो जाते हैं; तीन जिलों के पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग

रतलाम, एजेंसी। रतलाम महिला अपराधों की जांच के दौरान पुलिसकर्मियों को क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए, इस विषय पर रतलाम पुलिस कंट्रोल रूम में विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें रतलाम रेंज के तीन जिलों रतलाम, मंदसौर और नीमच से पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

रतलाम रेंज डीआईजी निमिष अग्रवाल और एसपी अमित कुमार ने पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण का उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों की विवेचना में यदि एफआईआर में उचित धाराएं न लगाई जाएं या जांच में कमी रह जाए, तो अभियोजन के दौरान आरोपियों को इसका लाभ मिलता है और वे कोर्ट से बरी हो जाते हैं।

विवेचना में बरतने की सावधानियों पर चर्चा

ट्रेनिंग में डीआईजी ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को जांच के दौरान कानूनी बारीकियों, साक्ष्य संरक्षण, गवाहों के परीक्षण और दस्तावेजों की प्रक्रिया की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर एएसपी राकेश खाखा, डीएसपी अनिशा जैन, आरआई मोहन भर्रावत और सूबेदार मोनिका सिंह ठाकुर मौजूद रहे।

तीनों जिलों से 24 अधिकारी हुए शामिल

रतलाम, मंदसौर और नीमच से 2 सब इंस्पेक्टर, 2 एएसआई और 20 हेड कॉन्स्टेबल समेत कुल 24 विवेचना अधिकारी ट्रेनिंग में शामिल हुए। प्रशिक्षण के अंत में उनकी समझ का मूल्यांकन करने के लिए टेस्ट लिया गया। इसमें सब इंस्पेक्टर शेरसिंह पंवार (मंदसौर) प्रथम और हेड कॉन्स्टेबल लालसिंह (नीमच) द्वितीय स्थान पर रहे।

पांच विषयों पर दी गई जानकारी

ट्रेनिंग में विशेषज्ञों ने पांच प्रमुख विषयों पर विस्तार से जानकारी दी-

1. सायबर अपराधों की जांच

सायबर सेल प्रभारी मनमोहन शर्मा और उनकी टीम ने मोबाइल, सोशल मीडिया और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराधों की जांच में उपयोगी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। साथ ही CEIR पोर्टल, CDR विश्लेषण और डिजिटल साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया समझाई।

2. नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधान: सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) के नए प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने अपराध पंजीयन, गिरफ्तारी और साक्ष्य संकलन की नई प्रक्रिया बताई।

3. महिला संबंधी अपराधों की विवेचना: डीएसपी अजय सारवान ने दहेज, घरेलू हिंसा, लैंगिक उत्पीड़न और पॉक्सो एक्ट जैसे मामलों में संवेदनशीलता और कानूनी सटीकता की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने महिला पीड़िताओं के बयान, परामर्श और मेडिकल साक्ष्य संकलन की सावधानियों की जानकारी दी।

4. फॉरेंसिक साक्ष्य की भूमिका: एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल ने बताया कि भौतिक, जैविक और डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण और वैज्ञानिक विश्लेषण कैसे अभियोजन को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट से न्यायालय में साक्ष्य की विश्वसनीयता बढ़ती है।

5. एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत विवेचना: जिला अभियोजन अधिकारी गोल्डन रॉय ने एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी, जब्ती, सीलिंग और नमूना परीक्षण की कानूनी प्रक्रिया बताई। उन्होंने न्यायालय में दस्तावेजों और गवाहों की भूमिका पर विशेष जोर दिया। डीआईजी निमिष अग्रवाल ने कहा महिला अपराधों की जांच में हर छोटी चूक आरोपी के पक्ष में जाती है।

एक्सपायर लाइसेंस पर चल रहा था क्लिनिक

होम्योपैथिक डॉक्टर दो साल से कर रही थी एलोपैथिक इलाज, डीएचओ ने सील किया

नर्मदापुरम, एजेंसी। जिले के स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का बड़ा उदाहरण सोहागपुर ब्लॉक के सेमरी हरचंद में सामने आया है। यहां एक होम्योपैथी डॉक्टर ने दो साल से एक्सपायर लाइसेंस पर क्लिनिक चलाते हुए अवैध रूप से एलोपैथिक इलाज किया। डॉक्टर सीमा सोनी नामक महिला डॉक्टर ने अपने क्लिनिक को एलोपैथिक इलाज का अवैध भर्ती सेंटर बना रखा था, जहां मरीजों को सिरिंज और बोतल चढ़ाई जा रही थी।

मामला सोमवार शाम उस समय उजागर हुआ जब सीएमएचओ कार्यालय से डीएचओ डॉ. सुनीता नागेश शिकायत की जांच के लिए सेमरी हरचंद पहुंचीं। क्लिनिक में दो मरीज भर्ती मिले जिन्हें सिरिंज लगी हुई थी। जांच में पाया गया कि डॉक्टर सीमा सोनी के पास केवल होम्योपैथी का लाइसेंस था, जो वर्ष 2023 में ही एक्सपायर हो चुका था।

बिना नवीनीकरण के दो साल से चल रहा था क्लिनिक: लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करवाने के बावजूद डॉक्टर सीमा सोनी लगातार एलोपैथिक इलाज कर रही थीं। डीएचओ डॉ. सुनीता नागेश ने मौके पर ही क्लिनिक को सील कर ताला लगवा दिया और कहा कि क्लिनिक पूरी तरह अवैध रूप से संचालित हो रहा था, जिसे तुरंत बंद कराया गया है।

बीएमओ की लापरवाही भी आई सामने: सेमरी हरचंद क्षेत्र में एक्सपायर लाइसेंस के बावजूद क्लिनिक का संचालन होते रहने से सोहागपुर बीएमओ डॉ. रेखा सिंह गौर की लापरवाही उजागर हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें इस क्लिनिक के बारे में जानकारी नहीं थी और यह भी स्वीकार किया कि जिले की अन्य तहसीलों में भी ऐसी स्थिति मिल सकती है। समय पर निरीक्षण होता तो यह मामला पहले सामने आ सकता था।

इलाज में लापरवाही से हुई थी महिला की मौत: डीएचओ ने बताया कि राधा अहिरवार नाम की महिला के इलाज में लापरवाही बरते जाने की शिकायत मिली थी, जिसके बाद जांच की गई। जांच में पता चला कि डॉक्टर सीमा सोनी बिना अनुमति एलोपैथिक इलाज कर रही थीं।

प्रकरण सीएमएचओ को भेजा गया: क्लिनिक सील करने के बाद पूरा मामला तैयार कर फाइल सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गहलोत के पास भेज दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि इस तरह के अन्य अवैध क्लिनिकों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

पांच साल की मासूम से रेप की कोशिश फुफेरे भाई ने कुरकुरे का लालच दिया

अनाथ भांजे को मामा ने दिया था सहारा

खंडवा, एजेंसी। जिले में 5 साल की मासूम बच्ची से रेप के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोप बच्ची के ही 22 वर्षीय फुफेरे भाई पर है, जो उसे कुरकुरे दिलाने के बहाने मक्के के खेत में ले गया था। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर गांव के दो युवकों ने उसे बचाया। घटना सोमवार शाम की है। पुलिस ने मंगलवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सहेलियों को कुरकुरे देकर भगाया

मामला छैगांवमाखन थाना क्षेत्र के ग्राम सुल्याखेड़ी का है। बच्ची ने बताया कि वह अपनी दो सहेलियों के साथ शौच के लिए गई थी। तभी बुआ का लड़का (आरोपी) आया और उसने सहेलियों को कुरकुरे के पैकेट देकर भेज दिया। इसके बाद वह उसे भी कुरकुरे दिलाने का कहकर गोद में उठाकर पास के मक्के के खेत में ले गया।

खेत में भाग रहा था आरोपी, बच्ची जमीन पर लेटी थी

खेत में बच्ची के रोने की आवाज सुनकर गांव के ही दो युवक प्रीतम और राहुल वहां पहुंच गए। उन्होंने देखा कि आरोपी कपड़े पहनते हुए भाग रहा था, जबकि मासूम बच्ची जमीन पर लेटी थी और उसके कपड़े अस्त-व्यस्त थे। दोनों युवकों ने तुरंत बच्ची को उठाया, उसे घर छोड़ा और परिवार को पूरी घटना बताई।

अनाथ भांजे को मामा ने दिया था सहारा

आरोपी युवक रिश्ते में बच्ची का फुफेरा भाई लगता है। उसके माता-पिता नहीं हैं, इसलिए बच्ची के पिता (आरोपी के मामा) ने ही उसे अपने घर में सहारा दिया था। परिवार को अंदाजा भी नहीं था कि जिसे उन्होंने आसरा दिया, वही उनकी बेटी के साथ ऐसी दरिंदगी करेगा।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया

घटना सोमवार शाम 7 बजे की है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपी रात में ही फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने मंगलवार सुबह उसे गांव के पास एक खेत से गिरफ्तार कर लिया।

दो युवकों ने किया सुसाइड अलग-अलग घटनाओं में घर में फांसी लगाकर दी जान

देवास, एजेंसी। देवास में सोमवार रात दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय विकास पिता किशोरी लाल, निवासी नई आबादी क्षेत्र, और 19 वर्षीय कन्हैया लाल पिता बाबूलाल के रूप में हुई है।

पहली घटना में, विकास ने अज्ञात कारणों से अपने घर में फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।दूसरी घटना में, कन्हैया लाल ने भी घर में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल में किया गया, जिसके बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

सीहोर में 2 साल की मासूम की मौत : परिजन बोले- डॉक्टर के गलत इंजेक्शन लगाने से बिगड़ी तबीयत

सीहोर, एजेंसी। जिले के ग्राम पिपलिया मीरा में 2 साल की एक बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्ची के परिजनों ने ग्राम बरखेड़ी के एक निजी डॉक्टर पर गलत इलाज करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बच्ची का पोस्टमॉर्टम करवाया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंजेक्शन के बाद बिगड़ी मासूम की हालत

परिजनों के अनुसार, मृतक बच्ची दीक्षा (2), कन्हैयालाल कुशवाहा की बेटी थी। उसे 2 अक्टूबर की सुबह करीब 10ऱ्30 बजे सर्दी और बुखार की शिकायत के चलते ग्राम बरखेड़ी स्थित मुस्कान क्लिनिक में डॉक्टर अशोक विश्वकर्मा को दिखाया गया था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने बच्ची को एक इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और वह कोमा में चली गई।

भोपाल तक चला इलाज, नहीं बच सकी जान

बच्ची की हालत बिगड़ने के बाद उसे पहले जिला अस्पताल सीहोर ले जाया गया। वहां से उसे हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर कर दिया गया, लेकिन परिजनों ने उसे भोपाल के मनन चाइल्ड केयर हॉस्पिटल, लालघाटी में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बच्ची की हालत नाजुक बताई थी, और इलाज के दौरान उसे होश नहीं आया। इसके बाद मंगलवार सुबह इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई।

जिला अस्पताल में मौजूद रहा डॉक्टर का बेटा

परिजनों ने यह भी बताया कि आरोपी डॉक्टर का बेटा देव विश्वकर्मा इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दो घंटे तक मौजूद रहा, लेकिन बाद में वह चुपचाप गांव लौट गया। इस बात को लेकर परिजनों ने डॉक्टर के व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए हैं।

क्लिनिक बंद कर भागा आरोपी

अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं घटना के बाद से ही आरोपी परिवार समेत फरार है, क्लिनिक पर ताला लगा है।कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र यादव ने बताया परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने ग्राम पिपलिया मीरा पहुंचकर जानकारी जुटाई है। बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, अपहरण कर ले गया था अपने साथ; लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने पकड़ा

सागर,एजेंसी। सानौधा थाना की शाहपुर चौकी पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म और अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नाबालिग को अपने साथ ले जाकर उसके साथ गलत काम किया था। पुलिस ने पीड़िता को सुरक्षित बरामद कर उसके परिवार को सौंप दिया। 5 अक्टूबर को फरियादी ने शाहपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग बेटी घर से बिना बताए चली गई है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की। परिवार वालों के बयान लिए गए और नाबालिग की तलाश में टीम लगाई गई। तफ्तीश के दौरान आरोपी का नाम सामने आया। पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस की और सोमवार को सुजनीपुर से आरोपी रज्जन अहिरवार को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से पीड़िता को सुरक्षित बरामद किया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी पर दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना कृत्य स्वीकार किया। शाहपुर चौकी प्रभारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की त्वरित कार्रवाई से पीड़िता सुरक्षित लौटाई गई और आरोपी को कानूनी कार्रवाई के तहत न्यायालय में पेश किया गया।

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे। भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया।

भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है। युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।

क्लेयर टेलर का रिकॉर्ड खतरे में, नैट साइवर-ब्रंट इतिहास रचने से 10 रन दूर

गुवाहाटी, एजेंसी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट अब अपने देश के वनडे इतिहास में नई उपलब्धि के कगार पर हैं। वह पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज क्लेयर टेलर को पीछे छोड़कर इंग्लैंड की तीसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली वनडे खिलाड़ी बनने से केवल 10 रन दूर हैं। अगर वह मंगलवार को गुवाहाटी में बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मैच में यह आंकड़ा पार कर लेती हैं, तो नया इतिहास रचेंगी। नैट साइवर-ब्रंट ने अब तक 122 वनडे मैचों में 4,092 रन बनाए हैं। उनका औसत 46.50 और स्ट्राइक रेट 95.34 है। इस दौरान उन्होंने 9 शतक और 34 अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 148 नॉट आउट रहा है। इंग्लैंड की बल्लेबाजी में वह पिछले एक दशक से लगातार भरोसेमंद नाम रही हैं। पूर्व स्टार खिलाड़ी क्लेयर टेलर ने 126 वनडे मैचों में 4,101 रन बनाए थे। उनका औसत 40.20 और स्ट्राइक रेट बेहद सटीक था। साइवर-ब्रंट सिर्फ 10 रन बनाकर इस रिकॉर्ड को पार कर लेंगी, जिससे वह इंग्लैंड की तीसरी सबसे सफल वनडे बल्लेबाज बन जाएंगी। इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन चार्लोट एडवर्ड्स के नाम हैं। उन्होंने 191 मैचों में 5,992 रन बनाए, जिनमें 9 शतक और 46 अर्धशतक शामिल हैं। एडवर्ड्स के बाद हीदर नाइट और अब नैट साइवर-ब्रंट टीम की प्रमुख स्तंभ हैं।

जहीर खान : वो गेंदबाज, जिसने इंजीनियर के बजाए स्विंगर बनकर देश का नाम रोशन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने अपनी स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ से देश को कई मैच जिताए। भारत को साल 2011 में विश्व कप खिताब जिताने में अहम योगदान देने वाले जहीर खान गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की क्षमता रखते थे। 7 अक्टूबर 1978 को महाराष्ट्र के श्रीरामपुर में जन्मे जहीर खान का सपना इंजीनियर बनना था, लेकिन पिता की एक नसीहत ने उनकी तकदीर ही बदल दी। जहीर खान एक बेहतरीन तेज गेंदबाज थे। जहीर खान के पिता की सोच, दूसरों के पिता की तरह बिल्कुल भी नहीं थी। उनके पिता चाहते थे कि बेटा इंजीनियरिंग के बजाय देश के लिए क्रिकेट खेले।

एक दिन पिता ने जहीर खान से कहा कि देश में इंजीनियर तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें एक तेज गेंदबाज बनना चाहिए, ताकि देश के लिए खेल सकें। जहीर खान भी पिता की बात से सहमत थे। जब जहीर खान 17 साल के थे, तो पिता उन्हें मुंबई ले गए। जहीर खान के टैलेंट को देखते हुए उन्हें एमआरएफ पेस फाउंडेशन की ओर से खेलने का मौका दिया गया। यहां कोच डेनिस लिली ने जहीर की क्षमता को पहचान लिया और उनकी गेंदबाजी में सुधार किया।

जहीर खान ने जिमखाना के खिलाफ फाइनल मैच में सात विकेट लेकर सुर्खियां बटोरीं। उन्हें मुंबई और वेस्ट जोन की

अंडर-19 टीम में भी स्थान मिला।

घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को साल 2000 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इसी वर्ष उन्होंने भारत के लिए टेस्ट और वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया।

जहीर खान ने साल 2002 में कुल 15 टेस्ट खेले, जिसमें 29 की औसत के साथ 51 विकेट अपने नाम किए। अगले तीन साल जहीर खान 9, 19 और 10 ही विकेट हासिल कर सके।

खराब फॉर्म के चलते जहीर खान को टीम से बाहर तक बैठना पड़ा। इस दौरान जहीर खान ने बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए नकल बॉल का इजाद किया और टीम में शानदार वापसी की।

जहीर खान स्विंग के महारथी थे। उनकी गेंदों को पढ़ने के लिए बल्लेबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ती थी।

जहीर खान गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की क्षमता रखते थे। वह नई और पुरानी गेंद से रिवर्स कराने में माहिर थे। उनकी सटीक लाइन और लेंथ बल्लेबाजों को परेशान करती थी। जहीर की यॉर्कर बहुत प्रभावशाली थी। बाएं हाथ का स्वाभाविक कोण दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए अक्सर मुश्किल पैदा करता।

जहीर खान ने वर्ल्ड कप 2003 में सौरव गांगुली की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन किया। जहीर ने उस विश्व कप के 11 मुकाबलों में 18 विकेट हासिल किए। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले चौथे गेंदबाज रहे। इसके बाद जहीर विश्व कप 2007 की टीम में भी जगह बनाने में कामयाब रहे।

साल 2011 में भारत को विश्व कप खिताब जिताने में जहीर खान का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 9 मुकाबलों में 18.76 की औसत के साथ 21 विकेट हासिल किए। वह शाहिद अफरीदी के साथ सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज रहे।

जहीर खान ने टेस्ट करियर में 92 मुकाबले खेले, जिसमें 32.94 की औसत के साथ 311 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने 11 बार पारी में 5 या इससे अधिक विकेट हासिल किए।

वहीं, 200 वनडे मुकाबलों में उन्होंने 29.43 की औसत के साथ 282 विकेट निकाले। इसके अलावा, 17 टी20 मैचों में उनके नाम 17 विकेट रहे। जहीर खान ने 169 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 672 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने 253 लिस्ट-ए मैचों में 357 विकेट निकाले।

पहला वर्ल्ड कप जीतने वाले क्रिकेटर बर्नार्ड जूलियन ने दुनिया को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी । 1975 की विश्व चैंपियन टीम का अहम हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बर्नार्ड जूलियन ने 24 टेस्ट और 12 वनडे मुकाबलों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने जूलियन को 1975 की चैंपियन टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य बताया था, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत के साथ 10 विकेट हासिल किए। बर्नार्ड जूलियन ने उस विश्व कप श्रीलंका के विरुद्ध 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 विकेट अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में जूलियन ने 12 ओवरों में 27 रन देकर 4 विकेट निकाले थे।

खिताबी मुकाबले में जूलियन ने एक आक्रामक ऑलराउंडर के रूप में अपनी चमक बिखेरी। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध फाइनल मैच में उन्होंने 37 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए थे। हालांकि, गेंद से कोई सफलता हासिल नहीं कर सके। त्रिनिदाद और टोबैगो गार्जियन ने क्लाइव लॉयड के हवाले से लिखा, जूलियन हमेशा 100 प्रतिशत से ज्यादा देते थे। वह कभी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटते थे। मैं हमेशा बल्ले और गेंद, दोनों से उन पर भरोसा कर सकता था। उन्होंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

बर्नार्ड जूलियन ने साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर मैच जिताऊ 121 रनों की पारी खेलकर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया था। क्लाइव लॉयड ने कहा, हम सभी जूलियन का पूरा सम्मान करते थे। वह खूब मौज-मस्ती करते थे। सभी लोग उन्हें प्यार करते थे। मुझे याद है कि हमने लॉर्ड्स में टेस्ट मैच जीता था। वहां उन्होंने फैंस को काफी देर तक ऑटोग्राफ दिए थे। हम जहां भी जाते, वहां उनका बहुत सम्मान किया जाता था।

1 दिसंबर से लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत

भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा संस्करण 1 से 23 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऐसे में फैंस इस टी20 लीग से जबरदस्त रोमांच की उम्मीद कर रहे हैं। पहली बार लंका प्रीमियर लीग में भारतीय क्रिकेटर हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों के जुड़ने से इस लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा। लंका प्रीमियर लीग के इस संस्करण में कुल 24 मैच खेले जाएंगे। इस दौरान 20 लीग मैच और 4 नॉकआउट मुकाबले होंगे।

यह सभी मुकाबले कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं।

इस टूर्नामेंट में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेने जा रही हैं। लीग चरण के दौरान सभी फ्रेंचाइजी दो बार आमने-सामने होंगी।

राउंड-रॉबिन चरण के बाद, शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। पहला प्लेऑफ मैच यानी क्वालीफायर 1 शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी।

तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले में भिड़ेंगी। एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम से क्वालीफायर 2 में भिड़ेगी। क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में अपना स्थान बनाएगी, जहां उसका सामना क्वालीफायर 1 की विजेता टीम से होगा।

लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा, इस संस्करण का समय सावधानीपूर्वक चुना गया है, ताकि खिलाड़ियों को वैश्विक क्रिकेट वर्ष की शुरुआत में अधिकतम अनुभव और उच्च-गुणवत्ता वाला मैच अभ्यास मिल सके। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सीजन में, एलपीएल नई प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा स्थल के रूप में उभरा है, जहां कई युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ अपनी पहचान बना रहे हैं। हमारा मानना ??है कि इस वर्ष भी लीग में कई युवा खिलाड़ी उभरेंगे, जो वर्ल्ड कप से पहले विश्व मंच पर उम्दा प्रदर्शन कर सकते हैं।

अंडर-19 टीम देहरादून में वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए रवाना

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ की अंडर-19 बॉयज टीम 9 अक्टूबर से शुरू हो रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए देहरादून (उत्तराखंड) के लिए रवाना हो गई है। चंडीगढ़ को छत्तीसगढ़, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, हैदराबाद और त्रिपुरा के साथ एलीट पूल में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 9 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के खिलाफ करेगी, उसके बाद 11 अक्टूबर को कर्नाटक, 13 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश, 15 अक्टूबर को हैदराबाद और 17 अक्टूबर को त्रिपुरा के खिलाफ मैच खेलेगी। टीम में आदित्य गुसाईं, अकुल भनोट, बलराज सिंह, बिक्रम सिंह सांगा, दक्ष कश्यप, एहित सिंह सलारिया, गगन प्रीत सिंह, ईशान गर्ग, मार्कंडेय पांचाल, मीत दहिया, मोहम्मद ज़ैद, ऋतिक संधू, शबद सिंह, श्रेष्ठ दुग्गल और युवराज सिंह शामिल हैं। सपोर्ट स्टाफ में विनीत जैन (कोच), गगन सिंह (मैनेजर) और दिव्यांश वशिष्ठ (ट्रेनर) समीर लठवाल (फिजियो) शामिल हैं।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस, जानिए टेस्ट में कैसा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं। रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31 की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं।

मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले। वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं। मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

भारत के विरुद्ध शुरुआती दो टी20 मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जांपा।

मैं कप्तान बनना चाहता हूं- यशस्वी जायसवाल का बड़ा सपना, IPL से हो सकती है शुरूआत

भारतीय क्रिकेट का युवा सितारा यशस्वी जायसवाल मैदान पर अपने शॉट्स से विरोधियों को हैरान करते हैं, लेकिन अब उनकी नज़र सिर्फ़ रनों पर नहीं, बल्कि एक और बड़ी मंजिल पर है भारतीय टीम की कप्तानी। शुभमन गिल की वनडे कप्तानी संभालने के बाद क्रिकेट में नई पीढ़ी का दौर शुरू हो गया है, और अब जायसवाल ने भी अपने दिल का सपना खुलकर बताया है, एक दिन भारत का कप्तान बनना।

हर दिन खुद को लीडर के रूप में बेहतर बना रहा हूँ- राज शामानी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जायसवाल ने कहा, मैं हर दिन खुद पर काम कर रहा हूँ ताकि सिर्फ़ एक अच्छा खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक अच्छा लीडर भी बन सकूँ। फिलहाल अपनी फिटनेस और मानसिक मजबूती पर ध्यान दे रहा हूँ। एक दिन मैं कप्तान बनना चाहता हूँ – यही मेरा सपना है।

फिटनेस और अनुशासन पर फोकस- 23 वर्षीय जायसवाल ने बताया कि वह अपने शरीर को बेहतर समझने और मैच फिटनेस पर ज़ोर देने में जुटे हैं। उनका मानना है कि लीडर बनने से पहले खिलाड़ी को खुद का अनुशासन बनाना ज़रूरी है। जितना मैं अपने शरीर और खेल को समझूंगा, उतना ही टीम को प्रेरित करने में सक्षम रहूंगा, उन्होंने कहा।

जमीन से जुड़े, पर सोच ऊंची- मुंबई की गलियों से टीम इंडिया तक का सफर तय करने वाले जायसवाल अब क्रिकेट के बड़े मंच पर खुद को सिर्फ़ बल्लेबाज़ नहीं, बल्कि भविष्य के कप्तान के रूप में देखते हैं। उनकी सोच दर्शाती है कि यह युवा खिलाड़ी सिर्फ़ रन नहीं, बल्कि टीम की दिशा तय करने का भी जज़्बा रखता है।

क्या राजस्थान रॉयल्स में मिलेगी पहली कप्तानी?- राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन की कप्तानी को लेकर

चर्चाएँ तेज़ हैं। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को भविष्य के लीडर के रूप में देखा जा रहा है। टीम प्रबंधन के भीतर माना जा रहा है कि जायसवाल न सिर्फ़ मैदान पर प्रदर्शन के ज़रिए, बल्कि अपनी सोच और ऊर्जा से भी टीम को नई दिशा दे सकते हैं।

महिला विश्व कप : भारत के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन

आईसीसी ने लगाई पाकिस्तानी बल्लेबाज को फटकार

कोलंबो, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच रविवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला गया। इस मैच के दौरान अपने बर्ताव के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ी सिदरा अमीन को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 40वें ओवर की है। इस ओवर की पांचवीं गेंद पर स्नेह राणा ने सिदरा को हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद सिदरा ने अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा। सिदरा को खिलाड़ियों और प्लेयर सपोर्ट पर्सनल के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।

इसके अलावा, सिदरा अमीन के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। यह 24 महीनों की अवधि में सिदरा का पहला अपराध था।

लेवल 1 के उल्लंघन के परिणामस्वरूप कम से कम आधिकारिक फटकार से लेकर खिलाड़ी की मैच फीस के अधिकतम 50 फीसदी तक का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 247 रन बनाए। टीम इंडिया की तरफ से हरलीन देओल ने 65 गेंदों में सर्वाधिक 46 रन जोड़े। डायना बेग ने पाकिस्तान की ओर से सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। उनके अलावा, सादिया इकबाल और कप्तान फातिमा सना को 2-2 विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 43 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की तरफ से सिदरा अमीन ने सर्वाधिक 81 रन बनाए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके शामिल रहे। उनके अलावा, नतालिया परवेज ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि स्नेह राणा को 2 सफलताएं हाथ लगीं।

दोस्त पर फायरिंग कर दुश्मनों को फंसाने की थी साजिश

सतना गोलीकांड के चार आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल और दो बाइक बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस ने कोलगवां थाना क्षेत्र के डिलौरा बस्ती में हुई दिनदहाड़े फायरिंग की घटना का खुलासा मंगलवार को कर दिया। आरोपियों ने अपने दोस्त पर गोली चलाकर अपने दुश्मनों को फंसाने की साजिश रची थी, लेकिन वे खुद पुलिस के शिकंजे में आ गए। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना सोमवार दोपहर लगभग 1 बजे डिलौरा में सामने आई थी। फरियादी चंदन द्विवेदी (19) निवासी डिलौरा ने पुलिस को बताया था कि वह अपने दोस्त सिब्बू तिवारी के साथ रवि दद्दा के घर के पास खड़ा था।

चंदन के अनुसार, दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवक मुंह पर गमछा बांधे हुए आए और गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। पीछे बैठे एक युवक ने उस पर कट्टे से फायर कर दिया। गोली चंदन को न लगकर पास खड़ी काले रंग की होंडा अमेज कार में जा लगी। आरोपियों ने दूसरी बार भी फायर किया, जिसके बाद चंदन और उसका साथी डरकर भाग गए।

सीसीटीवी के कारण पकड़े गए बदमाश: घटना की सूचना मिलते ही कोलगवां थाना पुलिस सक्रिय हुई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान विपुल उर्फ तुषार द्विवेदी, रवि द्विवेदी, अंश कुशवाहा और भैया खान उर्फ साहिल के रूप में हुई। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी डिलौरा तालाब के पास छिपे हैं। घेराबंदी कर दबिश दी गई, जहां से विपुल द्विवेदी, रवि द्विवेदी और अंश कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में कान्हा उर्फ आर्यन कुशवाहा को भी हिरासत में लिया गया। इस मामले में फरियादी की संलिप्तता नहीं पाई गई है। पुलिस पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह पूरी योजना पुरानी रंजिश के चलते बनाई गई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद की है। 5 अक्टूबर को देव पटारिया का विवाद विराट बिन्द, निलय सिंह, आनंद प्रजापति और आकाश वर्मा से हुआ था। इसके बाद देव ने अपने साथी कान्हा कुशवाहा, विपुल, रवि, अंश और भैया खान के साथ मिलकर चंदन द्विवेदी को गोली मारने की योजना रची। ताकि चंदन शंका के आधार पर उपरोक्त नामजद प्रतिद्वंद्वियों पर ही आरोप लगाए और वे फंस जाएं।

एक पिस्टल और दो बाइक बरामद: पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल और दो बाइक बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में विपुल उर्फ तुषार द्विवेदी (22), अंश कुशवाहा (19), रवि उर्फ बड्डा द्विवेदी (18) और आर्यन उर्फ कान्हा कुशवाहा (22) शामिल हैं।

कार्रवाई में थाना प्रभारी कोलगवां निरीक्षक सुदीप सोनी, कोलगवां पुलिस टीम और सायबर सेल की संयुक्त भूमिका सराहनीय रही। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं सहित आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बेलगाम बदमाशों का तांडव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में अपराध की लहर अब बेकाबू हो चुकी है। बदमाशों के हौसले बुलंद हैं, गोलीबारी, मारपीट और हिंसक झड़पें रोजमर्रा की बात बन गई हैं। आमजन दहशत के साये में जी रहा है, जबकि कानून का डर अपराधियों से कोसों दूर नजर आता है। डीलौरा इलाके में हुए गोलीकांड ने शहर को फिर झकझोर दिया, जिसके बाद आज पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। इस कॉन्फ्रेंस में संभवत: घटना पर खुलासा और गिरफ्तारी का मामला हो सकता है।

सवाल उठता है, ये अवैध हथियार शहर में कहां से आ रहे हैं? असलहों की आपूर्ति का काला नेटवर्क कौन चला रहा है? हाल के आंकड़ों पर नजर डालें तो सतना में पिछले तीन महीनों में दर्जनों गोलीबारी की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। सितंबर में कोलगवा क्षेत्र में एक नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि अगस्त में चाणक्यपुरी कॉलोनी में जमीनी विवाद में फायरिंग हुई।

इनमें से कुछ मामलों में आरोपी गिरफ्तार तो हुए, लेकिन अपराध की जड़ें जस की तस हैं। अपराध पर लगाम लगाने के लिए अवैध असलहों की सप्लाई चेन को तोड़ना जरूरी है। लेकिन पुलिस की प्राथमिकताएं घटना-के-बाद की कार्रवाई तक सिमटी हुई हैं।

जरूरत है घटना से पहले की सख्ती की: जैसे गुप्त निगरानी, मुखबिरों का मजबूत नेटवर्क और अंतर-जिला समन्वय। सतना जिले के अपराध आंकड़े भी चिंताजनक हैं। मध्य प्रदेश पुलिस के आधिकारिक डेटा के अनुसार, 2025 के पहले नौ महीनों में सतना में हत्या, गोलीबारी और हिंसक अपराधों में 25% की वृद्धि दर्ज की गई है।

मैहर में सड़क सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में उच्चतम न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष पूर्व न्यायमूर्ति अभय मनोहर सपरे ने अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल नागर, एसडीएम दिव्या पटेल, आरटीओ संजय श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सड़क हादसों में कमी लाने और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उपायों पर विचार किया।

पूर्व न्यायमूर्ति अभय मनोहर सपरे ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा है और इसे प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाएं और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करें।

बैठक में यह भी चर्चा की गई कि कैसे सड़क पर सुरक्षा उपायों को लागू किया जा सकता है, जैसे कि यातायात संकेतों की उचित व्यवस्था, सड़क मरम्मत और सुरक्षा बैरियर्स की स्थापना।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। बैठक का उद्देश्य केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि समाज में एक सुरक्षित परिवहन वातावरण स्थापित करना भी है।

घर के स्टोर रूम में मिला 11 फीट लंबा अजगर, वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू किया; जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के देवगुना गांव में मंगलवार को एक घर के स्टोर रूम में 11 फीट लंबा अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वन विभाग की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया।

घर की महिलाओं ने अजगर को देखकर मचाया शोर: देवगुना निवासी रामप्रकाश विश्वकर्मा के घर की महिलाएं रोज की तरह सफाई कर रही थीं। जब उन्होंने स्टोर रूम में रखा ड्रम हटाया, तो अचानक पीछे से विशालकाय अजगर दिखाई दिया। अजगर देखते ही महिलाओं की चीख निकल गई और पूरे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए।

लकड़ी में जा छिपा अजगर: हंगामा बढ़ता देख अजगर रेंगते हुए कमरे के कोने में रखी लकड़ियों के बीच जा छिपा। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। नागौद रेंजर पूर्वी सिंह के निर्देश पर सर्पमित्र शंखधर तिवारी और फॉरेस्ट गार्ड अजय सिंह की टीम मौके पर पहुंची।

डेढ़ घंटे की मशक्कत में पकड़ा गया अजगर: सर्पमित्र शंखधर तिवारी ने बताया कि अजगर करीब 11 फीट लंबा और काफी भारी था। यह किसी छोटे जानवर जैसे बकरी या कुत्ते को भी निगल सकता था। टीम ने सावधानीपूर्वक डेढ़ घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। उसकी हालत सामान्य पाई गई और उसे जंगल में छोड़ दिया गया। सौभाग्य से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित उमंग, दिशा एवं विकास डे-केयर सेंटर, छत्रपति नगर, रीवा में आज विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं जानकारी से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत भाषण से हुआ। इस अवसर पर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपंकर ने सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों एवं उनके अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित थेरेपी, संतुलित आहार, व्यायाम, एवं समय पर हस्तक्षेप से बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार संभव है।

डॉ. दीपंकर ने अभिभावकों को प्रेरित करते हुए कहा कि सेरेब्रल पाल्सी कोई बाधा नहीं, बल्कि एक स्थिति है जिसमें विशेष देखभाल और प्रोत्साहन से बच्चे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस दौरान विशेष शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न खेल एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे उनके आत्मविश्वास और मोटर स्किल्स का विकास हुआ।

कार्यक्रम में संस्थापिका रानी सिंह, अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह, सह-संचालिका दीप्ति सिंह परिहार, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपंकर, तथा विशेष शिक्षिकाएं नीता रजक, उषा सिंह, साधना पांडे, पूनम मिश्रा, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, निर्मला सिंह, सागर चमकेला उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने भरा देहदान का संकल्प पत्र, कहा - मिट्टी में मिलने से अच्छा है किसी के काम आना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर ज्योति परिवार द्वारा 61वां देहदान संकल्प पत्र भरा गया। रैगांव विधानसभा के पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह धीरू ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए अपना देहदान का संकल्प पत्र भरा। उन्होंने कहा, इस देश ने मुझे बहुत कुछ दिया है, अब समय है कि मैं समाज को कुछ लौटाऊँ। मिट्टी में मिलने से बेहतर है कि मेरे शरीर का हर अंग किसी जरूरतमंद के काम आए। उनका देहदान मेडिकल कॉलेज सतना के लिए किया गया है, ताकि वहाँ अध्ययनरत विद्यार्थी मानव शरीर रचना का अध्ययन कर बेहतर चिकित्सक बन सकें।

अमर ज्योति परिवार ने बताया कि धीरेन्द्र सिंह धीरू का यह निर्णय समाज में प्रेरणा का स्रोत बनेगा और देहदान के महत्व को नई दिशा देगा। संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा कि हम सबकी सोच होनी चाहिए कि हम समाज के लिए सोचें और समाज में फैले अंधविश्वास को दूर करने का प्रयास करें। यदि शरीर का हर एक भाग किसी के काम आ सके, तो यही जीवन का सच्चा उद्देश्य है। अमर ज्योति परिवार के सदस्य श्यामलाल (श्यामू) गुप्ता ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज में देहदान की भावना को प्रोत्साहित करना और इसे जन-जन तक पहुँचाना है।

उन्होंने कहा कि धीरेन्द्र सिंह धीरू जैसे जनप्रतिनिधि का यह कदम निश्चित ही समाज में नई सोच को जन्म देगा। देहदान एक ऐसा संकल्प है, जो मृत्यु के बाद भी जीवन देता है। जब हम अपने शरीर को दूसरों की सेवा में समर्पित करते हैं, तो हमारी पहचान सदा के लिए अमर हो जाती है। आप भी देहदान का संकल्प लेकर किसी का जीवन रोशन कर सकते हैं — क्योंकि सच्ची अमरता वही है, जब हम जीवन देकर दूसरों के जीवन में उजाला भरें। इस दौरान संयोजक मनोहर डिगवानी, मनोज अरोरा, कमल पुरुस्वानी, श्याम लाल गुप्ता, श्यामू, नीलांबर झा और अशोक खानेचा उपस्थित रहे।

माँ लक्ष्मी पूजन से आलोकित हुआ प्रिज्म परिसर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के सीमेंट डिवीजन, मनकहरी परिसर में 6 और 7 अक्टूबर 2025 को माँ लक्ष्मी पूजन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह पारंपरिक धार्मिक कार्यक्रम पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कंपनी के डीजीएम-सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन देवेन्द्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य यजमान अमित बिहानी, असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट, एकाउंट्स एंड फाइनेंस द्वारा पूजन कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत मंत्रोच्चार, दीप प्रज्वलन और माँ लक्ष्मी की मूर्ति स्थापना एवं अभिषेक से हुई। उपस्थित सभी सदस्यों ने समृद्धि, शांति और सुख-समृद्ध जीवन की कामना की।

परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, दीपों और सजावट से सजाया गया था, जिससे वातावरण में पवित्रता और आनंद का संचार हुआ। बच्चों एवं कर्मचारियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें भक्ति गीत, नृत्य, कविताएँ और समूह प्रदर्शन शामिल रहे। प्रस्तुतियों में पारिवारिक एकता, भारतीय संस्कृति और उत्सव के मूल भाव का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने माँ लक्ष्मी के समक्ष दीप अर्पित किए और प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कॉलोनी परिसर में दो दिनों तक उत्सव और आनंद का वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर मनीष कुमार सिंह प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड , डॉ. मनीष कुमार सिन्हा सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स , विनोद श्रीवास्तव सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एमआरएम एंड माइनिंग, ओ. पी. वर्मा वाइस प्रेसीडेंट-हेड इंजीनियरिंग एंड टी यूज, असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट, सेक्युरिटी एंड एडमिन कर्नल मनीष प्रसाद सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

जिले में बेखौफ फल-फूल रहा अवैध कबाड़ का कारोबार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अवैध कबाड़ का धंधा अब सबसे फायदेमंद धंधा बन गया है। सेल टैक्स विभाग और पुलिस के संरक्षण के कारण अवैध कबाड़ का कारोबार दिन-रात तरक्की कर रहा है। सतना के गहरा नाला से लेकर कारगिल ढाबे, रीवा रोड, यादव धर्म कांटा और ओमेगा पेट्रोल पंप तक कबाड़ियों के अड्डे पर हर तरह की चोरी का माल खपा दिया जाता है और ट्रकों में लोड करके दूसरे राज्यों में बिना किसी वैध दस्तावेजों के भेजा जाता है।

सूत्रों के अनुसार, परौहा कबाड़ी, रज्जू कबाड़ी और पिंकू कबाड़ी को सतना जिले में कबाड़ के किंग कहा जाता है, और उनकी पहुंच बड़े अधिकारियों तक है। यही कारण है कि सतना जिले की कोई भी चोरियों का खुलासा पुलिस आज तक नहीं कर पाई।

मामला चाहे बाणसागर कालोनी से गायब हुए करोड़ों के पाइप का हो या फिर क्रस्हरु की करोड़ों की तार की चोरी का, सभी मामले ठंडे बस्ते में हैं। अवैध कबाड़ के कारोबारी करोड़ों में खेल रहे हैं। अब सवाल उठता है कि क्या सतना जिले के नए पुलिस कप्तान इस अवैध कारोबार पर रोक लगा पाएंगे, या फिर अवैध कबाड़ का खेल ऐसे ही चलता रहेगा? यह स्थिति न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है, बल्कि यह समाज में सुरक्षा की भावना को भी कमजोर कर रही है।

नायब तहसीलदार की पत्नी से ठगी करने वाला गिरफ्तार, सतना पुलिस ने यूपी के कालिंजर से पकड़ा; 47 हजार नकदी बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की नागौद पुलिस ने महिलाओं से तंत्र-मंत्र के नाम पर गहने और नकदी ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश के कालिंजर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 47 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। वह हाल ही में सतना में हुई ठगी की एक वारदात में शामिल था।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से की थी ठगी: यह मामला 28 सितंबर का है। नागौद के नायब तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद माझी की पत्नी शशि प्रभा माझी सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। तभी एसडीएम बंगले के पास दो ठगों ने उन्हें भौतिक बाधा और देवी दर्शन का झांसा देकर सोने-चांदी के आभूषण उतरवा लिए और फरार हो गए।

उत्तराखंड से यूपी तक पहुंची पुलिस: घटना के बाद एसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 5,000 का इनाम घोषित किया। टीआई अशोक पांडेय के नेतृत्व में जब जांच की गई तो ठगों का लिंक उत्तराखंड से जुड़ा पाया गया। इसके बाद टीम उधमसिंहनगर पहुंची और फिर सुराग मिलने पर बांदा जिले के कालिंजर में दबिश देकर आबिद हुसैन (19) निवासी ठंडानाला-कोपा, उत्तराखंड को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आबिद ने मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में अपने साथी शहजाद के साथ मिलकर महिलाओं से इसी तरह की ठगी करने की बात कबूल की है।

गहने बेचकर मिली नकदी जब्त: पुलिस ने आबिद के पास से गहने बेचकर प्राप्त की गई ?47,000 नकद राशि जब्त की है। उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आबिद ने यह भी कबूल किया कि उसने नायब तहसीलदार की पत्नी से ठगी के अगले दिन सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला को भी निशाना बनाया था।

पुरानी घटनाओं का भी खुलासा: पुलिस पूछताछ में आबिद ने और भी ठगी की वारदातों का खुलासा किया है। उसने बताया कि फरवरी 2025 में सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मास्टर प्लान एरिया में और फिर 5 फरवरी को नागौद कस्बे में प्रविता सिंह नाम की महिला से तंत्र-मंत्र के डर से नकदी और गहने ठगे थे। वह ठगे गए गहनों को साथी शहजाद के साथ मिलकर बेच चुका है और पैसे खर्च कर दिए हैं। पुलिस अब फरार शहजाद की तलाश कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी सतना के अन्य थानों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों की पुलिस को भी भेजी जा चुकी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।